खबर संक्षेप

गीता जयंती महोत्सव का आयोजन आज

सोमवार को दोपहर 12 बजे, रानी दुर्गावती कॉलेज मंडला में आयोजित

मण्डला। जिला प्रशासन मंडला द्वारा अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 के अंतर्गत गीता जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन 1 दिसंबर को किया जाएगा। आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ावा देने वाले इस आयोजन में गीता स्वाध्याय, प्रवचन तथा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल रहेंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके होंगी, वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते करेंगे। यह आयोजन सोमवार को दोपहर 12 बजे, रानी दुर्गावती कॉलेज खैरी मंडला में आयोजित होगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर गीता जयंती के इस पावन आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। कार्यक्रम के माध्यम से गीता के उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज में सकारात्मकता, शांति और नैतिक मूल्यों के प्रसार का संदेश देने का उद्देश्य रखा गया है।

मंडला एसआईआर में प्रदेश में चौथे स्थान पर क़ाबिज़

यह उपलब्धि हासिल करने वाला प्रदेश का पहला आदिवासी जिला
वनांचल क्षेत्र की चुनौतियों के बीच भी टीम ने रचा कीर्तिमान

मण्डला। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक संचालित मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत मंडला जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त किया है।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले में चल रहे पुनरीक्षण कार्य को विशेष प्राथमिकता दी गई।यह उपलब्धि उनके निर्देशन में टीम की तकनीकी दक्षता, बेहतर समन्वय, समयबद्ध कार्यप्रणाली और निरंतर प्रगति समीक्षा का प्रत्यक्ष परिणाम है।मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में मंडला जिले ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली का परिचय देते हुए प्रदेश का पहला आदिवासी जिला बनने का गौरव प्राप्त किया है, जिसने इस कार्य में शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। 29 नवंबर की शाम 6 बजे तक जारी रिपोर्ट के अनुसार, जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों—105 बिछिया, 106 निवास और 107 मंडला ने गणना पत्रकों के डिजिटलाइजेशन कार्य में 100% लक्ष्य प्राप्त कर लिया है।

घने वन क्षेत्रों, दुर्गम भौगोलिक स्थिति और सीमित नेटवर्क सुविधाओं वाला जिला है, वहाँ यह सफलता कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है। नेटवर्क समस्या, कठिन भू-भाग, दूरदराज़ के गांव और लगातार फील्ड में कार्यरत टीमों के सामने अनेक बाधाएँ थीं, लेकिन इसके बावजूद जिला प्रशासन की टीम ने दिन-रात मेहनत कर यह मुकाम हासिल किया।टीम ने अदम्य जज़्बे के साथ क्षेत्रीय कठिनाइयों को पीछे छोड़ते हुए काम किया।यहाँ तक की रात के समय में भी ऑनलाइन डेटा फीडिंग और दस्तावेज़ अपलोड का कार्य जारी रहा, जिससे जिले ने डिजिटाइजेशन कर शत प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की। एसआईआर कार्य में मिली इस शानदार सफलता पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सोमेश मिश्रा ने सभी ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ, सुपरवाइजर सहित इस कार्य में जुटे सभी कर्मचारियों और टीमों को बधाई और शुभकामनाएँ दीं।जिले के इस सामूहिक प्रयास ने यह सिद्ध कर दिया है कि बेहतर नेतृत्व, समर्पित टीम और समयबद्ध कार्ययोजना से किसी भी लक्ष्य को सफलता पूर्वक हासिल किया जा सकता है।

धरातल पर नहीं विभागीय पोर्टल पर भवन पूर्ण दिखाया प्रशासन को

20 वर्षों से ग्वारी टोला का स्कूल संचालित है भवन विहीन

मण्डला

अनेक स्कूल जो विभागीय पोर्टल में पूर्ण हैं, लेकिन धरातल पर आज भी अधूरे हैं। उनके नाम पर स्कूल स्वीकृत लेकिन अधूरे निर्माण कर छोड़ दिये गये। वर्तमान में वे अधूरे स्कूल रामफूल की झाड़ियों में छिप गये हैं। उन अधूरे स्कूल भवनों एवं अतिरिक्त कक्षों और किचिन शेड की दयनीय स्थिति जीर्णशीर्ण हो चुकी हैं कि अब उन्हें फिर से नये बनाने पड़ेंगे। ये ग्रामीणों का कहना है कि जिले का शिक्षा विभाग सिर्फ भ्रष्टाचार करने में व्यस्त है। जबकि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जो स्कूल एवं अतिरिक्त कक्ष और किचिन शेड का निर्माण अधूरा पड़ा है उसे पूर्ण कराने के लिए कलेक्टर से अनेकों बार मांग की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जबकि जांच में स्पष्ट हो गया है कि विभागीय पोर्टल में ये सभी कार्य पूर्ण हो गये और राशि सरपंच, सचिव ने पहले हजम कर ली उसके बाद कुछ राशि विभागीय अमलों ने निकालकर बंदरबांट कर दी। इसमें सबसे पहले दोषी शिक्षा विभाग के अंतर्गत निर्माण शाखा में पदस्थ तकनीकी अधिकारी हैं जिनके विरूद्ध कार्यवाही होना आवश्यक है।

जिले में शैक्षणिक ढाँचे की बदहाली एक बार फिर उजागर हुई है। मण्डला विकासखंड के ग्राम पंचायत अहमदपुर के पोषक ग्राम सूरजपुरा स्थित ग्वारी टोला की उन्नत शिक्षा गारंटी प्राथमिक शाला बीते दो दशकों से भवन के अभाव में संचालित हो रही है। 20 बच्चों के इस स्कूल में एक नियमित तथा एक अतिथि शिक्षक पदस्थ हैं, लेकिन पढ़ाई कृषि कार्य के लिए बनाए गए एक दुकाननुमा कमरे में कराई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल प्रारंभ होने के बाद लंबे समय तक यह झोपड़ी में चलता रहा और आज भी स्थाई भवन केवल कागजों में मौजूद है। अब सवाल ये उठता है कि शिक्षा विभाग की कैसी निगरानी है जो जिले का निरीक्षण करते हैं तो उन्हें ये कमी नजर नहीं आती क्या? एक स्कूल भवन विहीन 20 वर्षों से लगभग 20 बच्चों के लिए संचालित हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए स्कूल भवन का होना अति आवश्यक है।

स्वीकृत राशि, अधूरा निर्माण और 20 साल का इंतजार

विभागीय अभिलेखों के अनुसार वर्ष 2003-04 में 1 लाख 50 हजार रुपए की राशि स्कूल भवन निर्माण के लिए स्वीकृत की गई थी। जिला शिक्षा केंद्र ने निर्माण के लिए शाला प्रबंधन समिति को राशि जारी की थी, लेकिन लापरवाही और भ्रष्टाचार के चलते निर्माण कार्य महज दरवाजा-लेवल तक कर रुक गया। बाद में विभागीय जांच में संबंधित शिक्षक से राशि की वसूली तो हुई, लेकिन भवन का पुनर्निर्माण आज तक आरंभ नहीं हो सका। ऐसे शिक्षकों के विरूद्ध सिर्फ राशि वसूली की कार्यवाही की गई। जबकि शिक्षक से भवन निर्माण पूर्ण कराने की कार्यवाही कराई जानी थी।

विभागीय पोर्टल पर स्कूल भवन पूर्ण मौके पर अपूर्ण

मण्डला विकासखंड के ग्राम पंचायत अहमदपुर के पोषक ग्राम सूरजपुरा स्थित ग्वारी टोला की उन्नत शिक्षा गारंटी प्राथमिक शाला बीते दो दशकों से भवन के अभाव में संचालित हो रही है जहां सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि विभागीय पोर्टल में इस भवन को पूर्ण या कंप्लीट दर्शाया गया है, जबकि वास्तविक स्थिति में जहाँ भवन होना चाहिए, वहाँ रामफूल के पेड़ और झाड़ियाँ नजर आती हैं। ग्रामीणों के बीच यह बड़ा सवाल बना हुआ है कि जब पूरा निर्माण हुआ ही नहीं, तो पोर्टल पर भवन पूर्ण कैसे दर्शा दिया गया? 20 वर्ष बीत जाने के बाद भी इस विसंगति का कोई उत्तर विभाग उपलब्ध नहीं करा सका है।

रसोईघर और शौचालय भी पूरी तरह हुए खण्डहर

शाला प्रबंधन के अनुसार पंचायत द्वारा निर्मित रसोईघर और शौचालय भी रखरखाव के अभाव में पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं। शासन द्वारा सफाई, मरम्मत और रखरखाव के लिए समय-समय पर राशि जारी होने के बावजूद इनकी स्थिति सुधर न पाना कई प्रश्न खड़े करता है। बच्चों का भविष्य अधर में सूरजपुरा के अभिभावकों का कहना है कि 20 वर्षों से भवन अभाव में पढ़ने को मजबूर आदिवासी बच्चों का भविष्य दांव पर लगा हुआ है। बार-बार शिकायतों के बावजूद न तो भवन निर्माण हुआ और न ही विभागीय उदासीनता में कोई कमी आई।

ग्रामीणों की मांग नया स्कूल भवन निर्माण हो शीघ्र

ग्वारी टोला के ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से निम्न मांगें की हैं स्वीकृत राशि के आधार पर नया स्कूल भवन शीघ्र निर्माण कराया जाए। पूर्व में हुई अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की दोबारा जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। भवन विहीन स्थिति में पढ़ रहे आदिवासी बच्चों के शिक्षा अधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। ग्रामीणों का सीधा सवाल है कि हमारे बच्चों का अधिकार आखिर किसने छीना और क्यों?अब क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि जिला प्रशासन इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेकर तत्काल कदम उठाएगा, ताकि शिक्षा का अधिकार केवल कागजों में नहीं, बल्कि धरातल पर भी साकार हो सके।

इनका कहना है

जब मैंने यहां पदभार संभाला, उस समय विद्यालय झोपड़ी में संचालित हो रहा था। उसी अवधि में स्कूल भवन का निर्माण प्रारंभ तो हुआ, लेकिन अधूरा छोड़ दिया गया, जो आज तक पूर्ण नहीं हो सका। भवन न बनने के कारण ग्रामीणों की पहल पर विद्यालय को कृषि विभाग के एक कमरे में स्थानांतरित किया गया, और वर्तमान में भी वहीं से शिक्षा-कार्य संचालित किया जा रहा है।

महेश गोठरिया, गुरुजी
उन्नत शिक्षा गारंटी प्राथमिक शाला ग्वारी टोला ग्राम सूरजपुरा अहमदपुर

मैंने हाल ही में पदभार ग्रहण किया है, अतः प्रकरण की पूर्ण जानकारी प्राप्त करने हेतु स्वयं स्थल निरीक्षण करूंगा। निरीक्षण उपरांत समस्त तथ्य कलेक्टर को अवगत कराते हुए उनके मार्गदर्शन में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

कुलदीप कठहल, डीपीसी
जिला शिक्षा कार्यालय मण्डला

जहाँ एक ओर सरकार शासकीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था का दावा करती है, वहीं विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली इन दावों पर गंभीर प्रश्न खड़े कर रही है। ताजा मामला ग्वारी टोला स्कूल का है, जहाँ विभागीय पोर्टल पर स्कूल भवन को पूर्ण दिखाया गया है, जबकि वास्तविक स्थिति में वहाँ भवन अस्तित्व में ही नहीं है। यह विरोधाभास न केवल जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है, बल्कि जनप्रतिनिधियों की निगरानी व्यवस्था पर भी गहरा संदेह पैदा करता है।

माखन सिंह सेंद्राम का पिंडरई में पुतला दहन

मण्डला

जिला शिक्षा कार्यालय में पदस्थ सहायक संचालक माखन सिंह सेंद्राम द्वारा अमर बलिदानियों के अपमान जनक टिप्पणी करने के विरोध में दिनांक 27 नवंबर को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला मंडला के कार्यकर्ताओं द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में घेराव व पुतला दहन किया गया पश्चात विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता देर रात्रि तक कार्यालय के सामने धरने पर बैठे रहे और कलेक्टर से मांग की गई है कि महापुरुषों के अपमान पर इनके ऊपर कठोर कानूनी वा विभागीय कार्यवाही की जाए। इन्हें तत्काल प्रभाव से इनके पदभार से मुक्त किया जाए। इनकी संपूर्ण संपति की जांच करवाई जाए। अभाविप के द्वारा कहा गया कि ये कोई शहीदों का नहीं वरन पूरे देश के शहीदों का अपमान है। इस पर प्रशासन द्वारा आश्वासन देने आए अधिकारी को कार्यकर्ताओं द्वारा 24 घंटे का समय देकर धरना आंदोलन स्थगित किया गया ओर चेतावनी दी गई कि अगर 24 घंटे में मांग पूरी नहीं होती तो मंडला विभाग के सभी इकाई में आंदोलन पुतला दहन होगा वहीं कार्यवाही न होने की स्तिथि में गुस्साए कार्यकर्ताओ ने आज दिनांक 30 नवंबर को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई पिंडरई के द्वारा माखन सिंह सेंद्राम का पुतला दहन किया गया और माखन सिंह सेंद्राम के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने दिए गए ज्ञापन के माध्यम से बताया है संदीपनी विद्यालय के निवास में सहायक संचालक माखन सिंह सेंद्राम के द्वारा 26 नवंबर को दौरा किया गया था। इस दौरान स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस के खिलाफ अपमानजनक. शब्दों का प्रयोग किया गया है।

10 टीमों ने सहभागिता कर युवाओं ने उत्साह और खेल भावना का परिचय

पांडीवारा चौकी में वॉलीबॉल प्रतियोगिता सामुदायिक पुलिसिंग को मिला ग्रामीणों का समर्थन

मण्डला।

पुलिस अधीक्षक मण्डला रजत सकलेचा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मण्डला शिवकुमार वर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस चौकी पांडीवारा, थाना बम्हनी द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के तहत वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में आस-पास के ग्रामों से कुल 10 टीमों ने सहभागिता कर युवाओं ने उत्साह और खेल भावना का परिचय दिया। आयोजन में ग्राम महाराजपुर टीम प्रथम स्थान, बारिया द्वितीय स्थान तथा खालौड़ी टीम तृतीय स्थान पर रही। विजेता टीमों को मैच समिति द्वारा पुरस्कार ट्रैक सूट, टी-शर्ट एवं फर्स्ट एड बॉक्स प्रदान किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना बढ़ाना, समाज में पुलिस के प्रति विश्वास सुदृढ़ करना तथा युवाओं की सक्रिय भूमिका निर्धारित करना है। इस अवसर पर थाना प्रभारी बम्हनी अरुण भदौरिया चौकी प्रभारी पांडीवारा उनि राजेन्द्र सिलेवार, थाना-चौकी के अधिकारी-कर्मचारी, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में ग्रामजन उपस्थित रहे।

इधर जिला क्रिकेट के लिए सीनियर बॉयज और अंडर 18 का ट्रायल 3 दिसम्बर को

मण्डला। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के प्रवक्ता निशांत झा ने बताया कि जिला क्रिकेट एसोसिएशन मण्डला ने वर्ष 2025-26 के लिए जबलपुर में होने वाले अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए सभी आयु वर्ग के पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है साथ ही आने वाले 3 दिसंबर 2025 को सीनियर बालक वर्ग एवं अंडर 18 बॉयज की चयन प्रक्रिया होनी है। सभी पात्र खिलाड़ी 3 दिसंबर 2025 तक अपने दस्तावेज समेत कोच बसंत ठाकुर मेकल क्रिकेट अकादमी से संपर्क कर अपनी दस्तावेज, जो की डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड व पासपोर्ट साइज फोटो के साथ औपचारिकता पूर्ण कर 3 दिसंबर को ट्रायल में उपस्थित हों। ट्रायल स्टेडियम ग्राउंड मण्डला में सुबह 10 बजे से शुरू होगी। जो खिलाड़ी पहले हुई ट्रायल में उपस्थित हो चुके हैं उनका भी 3 दिसंबर को उपस्थित होना अनिवार्य है उनकी उपस्थिति उनकी सहमति मानी जाएगी एवं जो खिलाड़ी पूर्व में हुई ट्रायल पर किन्हीं कारणों से उपस्थित नहीं हो पाए थे वह भी 3 दिसंबर में होने वाली ट्रायल में अपने समस्त दस्तावेज के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं एवं ट्रायल में हिस्सा ले।

सीईओ जिला पंचायत ने किया मनरेगा के कार्यों का निरीक्षण

मण्डला। सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना ने घुघरी क्षेत्र का भ्रमण किया। यहाँ उन्होंने ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के कार्यों का निरीक्षण किया। दौरे के दौरान उन्होंने ग्राम ढेंको और डोंगरमंडला में महात्मा गाँधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत माँ की बगिया कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने योजना के तहत चिन्हित हितग्राहियों के फील्ड पर पहुंचकर स्थल का जायजा लिया। साथ ही हितग्राहियों से चर्चा करते हुए उन्हें आवश्यक सुझाव दिए। सीईओ ने उपयंत्री एवं जनपद के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पौधों से पौधों की दूरी सुनिश्चित हो, हितग्राहियों को अच्छी क्वालिटी के पौधों के विषय में जागरूक करें साथ ही उन्हें प्लांटेशन लैंड पर इंटरक्रॉपिंग के विषय में प्रशिक्षण दें। जिससे हितग्राहियों को अतिरिक्त फसल हो। इस दौरान जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

बालाई नदी में बोरी बंधान का कार्य किया गया

नारायणगंज। धनवंती ग्रामीण सेवा समिति खिन्हा रफ्टा बावलिया द्वारा पिपरिया सेक्टर में क्रमांक 2 के ग्राम पंचायत सरसवाही में दिनांक 29/ 11/ 2025 को समिति के द्वारा बालाई नाला में बोरी बंधान बोलडर बंधान का काम किया गया जिसमें धनवंतरी ग्रामीण सेवा समिति रेवा ज्ञान विकास समिति श्री राम जन समर्पण सेवा संस्था ताक बेली के सदस्यों की उपस्थिति मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला सामान्य विभाग अधिकारी राजेंद्र चौधरी ब्लॉक निवास सामान्य बाग अधिकारी सूरज बर्मन के मार्गदर्शन में नव अंकुर संस्था धनवंशी ग्रामीण सेवा समिति द्वारा बालाजी नदी में बोरी बंधान कराया गया जिसमें कार्यक्रम में उपस्थित आतिश मोगरे हीरा महोबिया राजकुमार सविता कार्यकर्ता परामर्श दात्री मनोज तिवारी जयप्रकाश झरिया श्रीमती अभिलाषा दुबे देवेंद्र बरकडे उत्तम सिंह एवं सीएससी एलडीपी के छात्र कैलाश अनामिका तथा ग्रामीण जनों का विशेष सहयोग रहा।

बच्चों को समय पर दें पोषण आहार- सीईओ

आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया

मण्डला

सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना ने शनिवार को घुघरी क्षेत्र का भ्रमण किया। दौरे के दौरान ग्राम दलका गोपांगी के आंगनबाड़ी केंद्र का उन्होंने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से बच्चों के केंद्र में आने के समय, पोषण आहार, खेल-कूद, बच्चों की आयु के अनुपात में वजन तथा सीखने-सिखाने की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। सीईओ ने कहा कि बच्चों को पोषण आहार निर्धारित समय पर दें। श्री मीना ने उपस्थित बच्चों से भी पोषण आहार, खेल-कूद के बारे में बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कुछ बच्चों का अपने सामने वजन भी कराया। इस दौरान जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

घुटास की रागिनी : भरोसा, सेवा और उम्मीद का दूसरा नाम

मण्डला। मध्यप्रदेश के शांत, हरे-भरे मंडला जिले के जनजातीय गाँव घुटास में हर सुबह एक परिचित कदमों की आहट सुनाई देती है। ये कदम हैं शाखा डाकपाल रागिनी राजपूत के जिनके आने भर से गाँव के लोगों के चेहरे पर विश्वास की मुस्कान खिल उठती है। रागिनी सिर्फ डाक लेकर नहीं चलती बल्कि वो अपने कंधे पर पूरा गाँव, उसकी उम्मीदें, उसके अधिकार और उसके भविष्य का भार लेकर निकलती हैं। उनकी थैली में पत्रों के साथ-साथ योजनाओं की रोशनी, बेटियों का सुरक्षित भविष्य, बुजुर्गों की पेंशन और लोगों के अधिकारों की गारंटी भी होती है।

रागिनी जानती हैं कि घुटास जैसे दूरस्थ जनजातीय गाँव में डाकपाल सिर्फ एक पद नहीं यहाँ यह आशा का एकमात्र द्वार है, सरकारी योजनाओं की पहली सीढ़ी है और विश्वास की सबसे मजबूत कड़ी है।

हर दिन सुबह वह पगडंडियों पर चलती हुई जब घर-घर दस्तक देती हैं, तो लगता है जैसे पूरा गाँव उनसे जुड़ता चला जा रहा है। कभी वह सुकन्या समृद्धि योजना के जरिए किसी छोटी बच्ची के भविष्य में उजाला भर देती हैं। कभी किसी बुजुर्ग का हाल-चाल पूछती हुई उन्हें यह एहसास दिलाती हैं कि वे अकेले नहीं हैं।

घुटास गाँव उनके लिए कार्यस्थल नहीं, बल्कि एक परिवार है — और यह परिवार उन पर पूरा भरोसा करता है। वह पेंशन राशि घर तक पहुँचाकर यह सुनिश्चित करती हैं कि उम्र की ढलान में किसी को भी सुविधाओं के लिए भटकना न पड़े। घुटास का हर परिवार रागिनी को जानता है। वे लोगों को सरकार की योजनाओं के बारे में बताते हुए न केवल जानकारी देती हैं, बल्कि उन्हें यह भी समझाती हैं कि कैसे ये योजनाएँ उनके जीवन को बदल सकती हैं। चाहे डाक सेवा, बीमा योजनाएँ, बचत योजनाएँ हों या फिर न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ, रागिनी हर घर तक सही जानकारी पहुँचाकर लोगों के अधिकारों को मजबूत करती हैं। उनकी वजह से घुटास के जनजातीय परिवार अब समझते हैं कि सरकार की योजनाएँ उनके लिए ही बनी हैं और उन्हें पाने का रास्ता यहीं है।

जन्मदिन उत्सव
महाबम्पर ड्रा
सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि पाठकों के लिए जन्मदिन उत्सव योजना चलायी गई थी। जिसमें भाग्यशाली पाठकों के उपहार वितरण की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

खबर संक्षेप

मोबाईल पर आने वाले बिजली बिल ग्रामीणों के लिये बन रहे परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा बिजली उपभोक्ताओं से बिजली बिलों की बसूली को लेकर सख्ती बरती जा रही है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते बिजली उपभोक्ताओं को समय पर बिजली बिल नही मिलने की स्थिति में वह अपने बिलों का समय पर भुगतान नही कर पाने के कारण जबरन उनसे लेट बिल जमा करने का दंड बसूलना कहा तक उचित है? इस संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि पहले बिजली बिलों का वितरण ग्राम कौड़िया सहित आसपास के गांवों में लाईन मेन द्वारा किये जाने की जगह आम नागरिकों को थोंक के पाव में बिल थमा दिये जाते है और कह दिया जाता है कि वह सभी को बिलों का वितरण कर दे और अब बिलों की जगह मोबाईल पर बिले भेजे जाने लगे है जिसके चलते गांवों में अनेक लोग इस तरह से है जिनके पास मोबाईल फोन नही है है भी तो अंग्रेजी में आने वाले इन बिलों को वह पढ़ नही सकते है जिसके चलते समय पर बिल जमा नही कर पाते है। जिसके चलते स्थिति यह बनती है कि यह बिल समय पर उपभोक्ताओं के पास नही पहुंचने के कारण जहां व समय पर बिलों का भुगतान नही कर पा रहे है, जिसके चलते या तो उनके बिजली कनेक्शन कट जाते है या फिर उनसे बिजली विभाग द्वारा समय पर बिल जमा नही किये जाने की बात को लेकर अंतिरिक्त दंड स्वरूप बिलों की अदायगी कराये जाती है? यही हाल दूर संचार विभाग का भी देखा जा रहा है जो आम लोगों से अपने बिलों का वितरण कराये जाने के कारण समय पर उपभोक्ताओं को देयक बिल नही मिलने के कारण वह परेशान होते हुए देखे जाते है? अब सवाल यह उठता है कि जब विभाग की लापरवाही के चलते जब समय में उपभोक्ताओं को बिल नही मिल रहे है तो वह बिलों को समय पर जमा नही कर पाने में दोषी कैसे हो गया जिसके चलते उसे अतिरिक्त राशि दंड स्वरूप जमा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? क्या विभाग की लापरवाही के चलते उपभोक्ताओं के साथ अन्याय नही हो रहा है?

मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे खड़े रहने वाले बडे वाहन बन रहे परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से सड़कों पर यातायात बढ़ रहा है उसके चलते आये दिन घटनाएं घटित होना आम बात होती चली जा रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो गाडरवारा पिपरिया मार्ग पर जिस प्रकार से बड़े वाहनों की धमाचौकड़ी मची हुई उसके चलते आये दिन घटित होने वाली घटनाओं के चलते आम लोगों की जान खतरे में पड़ रही है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस मार्ग पर सड़क किनारे बने हुए ढाबो पर जिस प्रकार से सड़क किनारे बड़े वाहन खड़े रहते है उसके चलते यातायात प्रभावित तो हो ही रहा है साथ ही साथ आम लोगों की जिन्दगी भी खतरे से खाली नही है..? बताया जाता है कि नगर के समीप शांति दूत तिरहा के पास से लेकर कामती की ओर जाने वाले मार्ग पर बडे वाहनों में ट्रक व डम्फर इस प्रकार से खड़े कर दिये जाते है जिसके चलते जब यहां से छोटे वाहनों व स्कूली बच्चों का निकलना होता है तो उन्हें आगे का मार्ग दिखाई ही नही पड़ता है। कुछ इसी प्रकार का हाल इस मार्ग पर कामती व सांईखेड़ा की ओर जाते वक्त रास्ते में पड़ने वाले ढ़ाबों के पास देखा जाता है जहां पर दिन दिन भर इन बड़े वाहन चालको द्वारा अपने वाहनों को सड़क के किनारे खड़ा करते हुए भोजन करने में लग जाते है और आम लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए छोड़ दिया जाता है। इस प्रकार से सड़क किनारे खडे.होने वाले वाहनों की ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने से लग रहा है कि शायद प्रशासन द्वारा किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने का इंतजार किया जा रहा हो? क्योंकि सड़को के किनारे ढ़ाबाओं का संचालन करने वालो द्वारा अपने स्वार्थ के चलते कारोबार तो किया जा रहा है। मगर उनके द्वारा इन वाहनों के पार्किंग हेतु कोई उचित व्यवस्था नही बनाई।

वाहन चालकों की जिन्दगी को डाल रही खतरे में, अनदेखी बन सकती है बड़ी घटना का कारण..?

कुछ साल पहले ही करोड़ों की राशि से बनी सूखा खैरी बारहाबड़ा मार्ग पर निकल रही लोहे की राड

हरिभूमि न्यूज/ बारहाबडा।

भले ही देश व प्रदेश में बैठे हुये नेताओं द्वारा लगातार बढ रहे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिये कितने ही प्रयास क्यों न किये जावे। मगर यदि प्रशासन तंत्र में बैठे हुये छोटे से लेकर बड़े अधिकारी शामिल हो तो शायद ही इस पर अंकुश लग पाना संभव नही हो पता है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय ग्राम सूखाखैरी से होते हुये बारहाबड़ा से निकलकर सालीचौका पौड़ार तिरहा तक लगभग 76 करोड़ रूपया की राशि से लगभग कुछ साल पहले बनाई गई सीमेन्ट सड़क में देखने मिल रहा है..? बताया जाता है कि इस सड़क का निर्माण कार्य हुये कुछ ही साल का समय ही निकला होगा और यह सीमेन्ट सड़क जहां तहां जिस तरह टूटते हुये पुलियों के बीचों बीच निकल रही लोहे की राडे वाहन चालको की जिन्दगी को खतरा पैदा तो कर ही रही है दूसरी ओर इस सड़क के निर्माण कार्य में अपनाई गई गुणवत्ता की कहानी को उजागर करने से नही चूक रही है? वही दूसरी ओर इस सड़क निर्माण से संबंधित उन अधिकारियों की पोल भी खुलने से नही चूक पा रही है कि आखिरकार उनके द्वारा जिस आधार पर इस सड़क निर्माण कार्य को लेकर अपनी संतुष्टि प्रदान करते हुये कार्य को सही बताते हुये निर्माण कार्य करने वाली कंपनी को भुगतान कर डाला है...? जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो करोड़ो की राशि से बनाई गई इस सीमेन्ट सड़क के निर्माण के दौरान ही जिस तरह गफलत बाजी दिखाई देना शुरू हो गया था उस सच्चाई को को मीडिया द्वारा लगातार प्रमुखता के साथ उजागर किया गया था। मगर इसके बाद भी इस ओर किसी भी अधिकारी द्वारा ध्यान देना उचित नही समझे जाने से लग रहा है कि शायद लक्ष्मी पूजन के आर्शीवाद के चलते अधिकारी भी मग्न हो चुके है? वैसे भी यदि इस सड़क निर्माण कार्य की सच्चाई पर गौर किया जावे तो शुरूआती तौर से ही इस सड़क के निर्माण कार्य में अपनाई जाने वाली गुणवत्ता पर सबाल खड़े होने लगे थें? जब सड़क के निर्माण कार्य की शुरूआत करते हुये वक्त कुछ पुलियों का निर्माण कार्य ही हो पाया था कि और ग्राम बारहाबड़ा के पास निर्माणाधीन एक पुलिया निर्माण के दौरान ही धराशाही हो जाने के कारण उसमें काम करने वाले कुछ मजदूरों को चोटे भी आई हुई थी। वही दूसरी ओर इस सीमेन्ट सड़क निर्माण के दौरान की धराशाही हुई पुलिया ने जहां सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सबाल खड़े कर दिये गये थें। इस प्रकार से सड़क निर्माण कार्य में अपनाई जाने वाली गुणवत्ता की कहानी को मीडिया द्वारा लगातार उजागर करते हुये संपूर्ण सच्चाई से अधिकारियों को समय समय पर अवगत कराया जाता रहा है। मगर कहा जाता है कि जहां लक्ष्मी पूजन का प्रभाव होता है वहां पर जिम्मेदार अधिकारियों को भी आम के पेड़ में इमली लगी हुई दिखाई देने से नही चूक पाती है और शायद यही हाल इस सड़क के निर्माण कार्य की देख रेख में लगे हुये जिम्मेदार अधिकारियों का देखने मिला है जो सड़क निर्माण कार्य में अपनाई जाने वाली गुणवत्ता को निर्माण के दौरान पूर्णरूप से नजर अंदाज करते हुये निर्माण कार्य करने वाली कंपनी को अपनी ओर से छूट प्रदान करने से नही चूक होगे जिसके चलते यह सड़क जहां निर्माण के दौरान ही जहां तहां से टूटते हुये नजर आने लगी थी और इसके बाद भी अधिकारियों द्वारा निर्माण कार्य करने वाली कंपनी को अपनी ओर से प्रदान किये गये संतुष्टि प्रमाण पत्र के चलते निर्माण कार्य का भुगतान हो गया और अपने निर्माण को अभी कुछ ही साल का समय निकला हुआ है और जिस तरह सड़क के बीचों बीच से लोहे की राडे निकलते हुये वाहन चालकों की जिन्दगी को खतरे में डाल रही है। मगर इस ओर किसी तसे से कोई ध्यान नही दिये जाने के चलते किसी दिन बड़ी घटना का कारण बनने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है...? इस सच्चाई को उस समय हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी न तो संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया गया था और न ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा जिसका परिणाम है कि लगभग 76 करोड़ की लागत से बनी हुई इस सड़क मात्र चार दिन की चांदनी फिर अधियारी रात साबित होने से नही चूक रही है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जिस सोच के चलते क्षेत्र के जिम्मेदार नेताओं द्वारा इस क्षेत्र में निवास करने वाले ग्रामीणों की सुविधाओं को ध्यान को रखते हुये दिन रात एक करते हुये इस सड़क को स्वीकृत कराने के बाद शासन द्वारा इस सड़क निर्माण के लिये करोड़ो रूपया खर्च करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। मगर संबंधित विभाग से जुडे हुये अधिकारियों से लेकर निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा सड़क निर्माण के नाम पर जिस प्रकार शासकीय धन की होली खेलते हुये सड़क का निर्माण कार्य किया था और वह सड़क जब अपने निर्माण के मात्र मुश्किल सेचार साल भी नही चल सकी तो फिर लम्बी समय की कल्पना कैसे की जा सकती है..? वही दूसरी ओर इस सड़क के निर्माण में हुई गफलत की मलाई में कितने हिस्सेदार रहे होगे की लगातार आवाज उठाये जाने के बाद भी किसी तरह की कार्यवाही नही होने का परिणाम है कि अब क्षेत्र के लोगों को इस सड़क से अपनी जिन्दगी दांव पर लगाते हुये यात्रा करने की मजबूरी बन चुकी है। यदि सड़क निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता की निष्ठा के साथ जांच कराई जावे तो निश्चित तौर से चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी और इस विभाग के जुडे हुये उन अधिकारियों से लेकर क्षेत्र की छुटभैया नेताओं के चेहरे भी उजागर हो जावेगे जो इस प्रकार गुणवत्ता को दर किनार सड़क निर्माण का कार्य करने वाली कंपनी को अपना अघोषित रूप से संरक्षण देने से नही चूके है..?

पलोहा थाना क्षेत्र में कृषि यंत्रों की चोरी पर अंकुश लगाने में असफल हो रही पुलिस..

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। भले ही जिले के कप्तान द्वारा पलोहा थाना क्षेत्र की पेहरेदारी में अतिरिक्त तारा लगा दिया गया है। मगर यहां की पेहरेदारी में किसी भी प्रकार से कोई सुधार दिखाई देते हुये दिखाई नही दिये जाने का परिणाम है कि क्षेत्र के किसानों के खेतों में कृषि यंत्रों की जारी की घटनाओं पर अंकुश नही लगने के चलते यह अतिरिक्त तारा जहां पलोहा थाना क्षेत्र के अशुभ साबित होने से नही चूक रहा है..? वही दूसरी ओर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र में जिस प्रकार से अवैध शराब सहित मादक पदार्थो की विक्री का परिणाम है कि क्षेत्र में किसानों के खेतों से कृषि यंत्रों की चोरी होने की घटनाओं में बढ़ोत्तरी देखने मिल रही है..? मगर हद तो तक हो जाती है

जब क्षेत्र के किसानों द्वारा चोरी करने वालों की नामजद शिकायत किये जाने के बाद पुलिस द्वारा संदिग्धों के खिलाफ कार्यवाही की औपचारिता पूरी करने के लिये सम्मान के साथ बुलाते हुये उनकी सम्मान के साथ आवभगत करते हुये छोड़ना पुलिस की भूमिका पर सबाल खड़े करने से नही चूक पा रहा है..? बताया जाता है कि लगभग एक माह पहले समीपस्थ ग्राम महगंवा चिर्रिया क्षेत्र में चोरों द्वारा आधा दर्जन से अधिक किसानों की खेतो में सिंचाई के लिये लगी हुई बिजली लाईन के केबिल काटते हुये चोरी की घटना सामने आई हुई थी। इस तरह घटित हुये चोरी की घटना को लेकर कृषकों द्वारा पुलिस थाने में कुछ संदिग्धों की नामजद शिकायत की गई थी जिसके चलते पुलिस ने द्वारा गांव पहुंचकर संदिग्धों से पूछताछ की गई तो उनके द्वारा चोरी करने की बात स्वीकार किये जाने के चलते पलोहा पुलिस उन संदिग्धों को थाने लेकर भी गई थी। मगर इसके बाद वह संदिग्ध दूसरे दिन गांव में घुमते हुये नजर आने से नही चूक रहे थें। इस सच्चाई ने यह बात उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ी थी कि पुलिस द्वारा किसी तरह से कोई कार्यवाही नही की गई है। बताया जाता है कि इस संबंध में जब पलोहा पुलिस से संपर्क किया गया तो यह बताया गया कि अभी काम अधिक होने के चलते आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही नही कर पा रहे है। मगर उनके द्वारा घटना को अंजाम देने की बात को स्वीकार किया गया है। शीघ्र ही संदिग्धों को फिर पकड़ते हुये आगे की कार्यवाही की जावेगी..? इस तरह क्षेत्र में घटित हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर पुलिस द्वारा कार्यवाही के नाम पर निभाई जाने वाली औपचारिकता इस बात का संकेत देने से नही चूक रही है कि मानों पेहरेदारों द्वारा खुद ही चोरों को संरक्षण प्रदान किया जा रहा हो..? इसी का परिणाम परिणाम है कि क्षेत्र में जहां चोरी की घटनाओं पर अंकुश नही लगने के कारण क्षेत्र के अन्नदाता अपने खेतों में रखे हुये कृषियंत्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता में डाल रहे है। वही दूसरी ओर पुलिस की कार्य प्रणाली भी सबालों के घेरे में आने से नही चूक पा रही है..? क्योंकि इस समय पड़ रही ठंड के चलते जहां किसान अपने खेतों में पहुंचने को लेकर परेशान होते हुये देखे जा रहे है। मगर जब देखा जाता है कि किसान अपने खेतों से थोडी देर के लिए अलग होता है तो चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले लोग वहां पर रखे हुए कृषियंत्रों पर अपने हाथ साफ करने वाले कोई मौका नही छोड़ रहे है जिसके चलते क्षेत्र के किसान दहशत में देखे जा रहे है। इस प्रकार से किसानों के कृषि यंत्रों की चोरी की घटनाओं के चलते जहां क्षेत्र के किसानों को आर्थिक क्षति का सामना तो करना ही पड़ रहा है। जब पीड़ित कोई किसान पुलिस थानों में अपनी शिकायत दर्ज कराने पहुंचता है तो वहां पर सिर्फ आवेदन लेते हुये उसे चलता बना दिया जाता है। इस स्थिति में चलते चोरों के हौसले बुलंद होने से नही चूक पा रहे है। इस प्रकार से किसानों के कृषि यंत्रों की चोरी का प्रमुख कारण युवाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृति का कारण माना जा रहा है जो अपना शोक पूरा करने के लिये इस प्रकार से चोरियों को अंजाम देने से नही चूक रहे है।

आज गीता जयंती पर शिक्षण संस्थाओं में आयोजित होगे कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती के अवसर पर आज एक दिसम्बर को शिक्षण संस्थाओं में गीता जयंती महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत विकास खण्ड स्तर पर 500 गीता पाठियों के द्वारा 15 वें अध्याय का कंठस्थ पाठ किया जाएगा। बताया जाता है कि विकास खंड स्तर पर सांदीपनी विद्यालय साईंखेड़ा तथा बीटीआई स्कूल गाडरवारा में वही मंगलभवन चीचली कार्यक्रम आयोजित किये जावेगे। वही बताया जाता है कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अनुविभाग स्तर पर अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। इसके अलावा सफल आयोजन के लिए ग्रामीण के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत और नगरीय निकायों के लिए मुख्य नगर पालिका/ परिषद अधिकारी को दायित्व सौंपे गए हैं। साथ ही जारी आदेश में संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार इस आयोजन में गाडरवारा के चारों शासकीय स्कूल बीटीआई, आदर्श ,कन्या नवीन एवं कन्या उ मा शाला के प्राचार्य समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी सहभागिता करेंगे। वही गीता जयंती महोत्सव पर आयोजन आज सुबह होंगे।

बीच सड़क पर खड़ी मोटर साईकिल हटाने पर की मारपीट

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मनमानी करने वालों के हौसले इतने बुलंद होते हुये देखे जा रहे है कि खुलेआम सड़को पर अपने वाहन खड़े करते हुये यातायात में व्यवधान पहुंचाने से नही चूक रहे है। यदि उनकी मनमानी पर कोई कुछ बोलता है तो मारपीट करने में पीछे नही रहते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ खुलरी देगुवा मार्ग पर देखने मिली। जहां पर मुख्य मार्ग के बीचों बीच खड़ी मोटर साईकिल को हटाने पर दो युवकों ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया। घटना के संबंध में समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सडूमर निवासी आशीष पिता रेवाराम कौरव उम्र 32 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह बीते हुये दिवस करेली मंडी से अपना अनाज विक्रय करते हुये ट्रेक्टर लेकर गांव सडूमर अपनी साथी मोहन कहार के साथ जा रहा था। इस दौरान ग्राम खुलरी व देगुवा के बीच मुख्य सड़क के बीचों बीच एक मोटर साईकिल खड़ी हुई थी। ट्रेक्टर चालक द्वारा अनेकों बार हार्न बजाने के बाद भी जब मोटर साईकिल को अलग करने के लिये कोई नही आया तो प्रार्थी आशीष द्वारा ट्रेक्टर से नीचे उतरकर मोटर साईकिल को साइड में खड़ा करने लगा। इसी दौरान पास के खेत की एक टपरिया से अनुज रघुवंशी व बसंत रघुवंशी दोनों निवासी ग्राम देगुवा आये और मोटर साईकिल को रास्ते से हटाने की बात को लेकर प्रार्थी के साथ मारपीट करने लगे। इस दौरान मोहन कहार द्वारा बीच बचाव करने का प्रयास किया तो आरोपियों द्वारा उसके साथ भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

शासन की राशि की खुलेआम खेली जा रही होली, एक साल तक नही चल पाये एनजीओं द्वारा बनाये गये स्टाप डेम

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सरकार द्वारा विकास कार्यों के साथ साथ पानी रोकने के लिए हर वर्ष करोड़ो रूपया तो जरूर खर्च किये जा रहे है, जिसके चलते जहां तहां किये जा रहे निर्माण कार्यो को पूर्ण करने का जिम्मा या तो निजी कंपनियों को सौपा गया है या फिर एनजीओं के माध्यम से कराया जा रहा है, मगर इन एनजीओं व निर्माण कार्य करने वाली कंपनियों द्वारा किये जाने वाले इन निर्माण कार्यो की सच्चाई पर गौर किया जावे तो लाखों रूपया खर्च होने के बाद वह निर्माण कार्य अपने एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण करते हुए भी दिखाई नही दे रहे है जिसको देखकर शासकीय राशि की खुलेआम होली खिलते हुए जान पड़ रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जंगली क्षेत्र में अनेक जगहों पर देखने मिल रही है जहां पर बताया जाता है कि बीते हुये वर्ष एक एन जी ओ द्वारा लाखों रूपया खर्च करते हुए स्टाप डेमों सहित तालाबों को जिस प्रकार से निर्माण कार्य किया गया है उस निर्माण कार्य की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह मात्र एक औपचारिकता ही जान पड़ रहा है? अनेक जगहों पर तो सच्चाई इस प्रकार से देखने मिल रही है कि चंद दिनों पहले बनाये गये स्टाप डेमों पर शायद पानी भी नही भर पाया होगा और उनकी दिवारे दो भागों में विभाजित हो जाने के कारण इन निर्माण कार्यो की गुणवत्ता स्वयं ही बताने से नही चूक रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई जंगल क्षेत्र में बनाये गये तालाबों के निर्माण कार्यों में देखी जा रही है, जहां पर बताया जाता है कि अनेक जगहों पर तो इस प्रकार के ऊंचे स्थलों पर तालाब निर्माण कर दिये गये है जहां बारिश के दिनों में पानी पहुंचने की कल्पना कर पाना भी मुश्किल बात है, वही इन निर्माण कार्यों में लगाई गई रेत व अन्य सामग्री की सच्चाई को लेकर भी अनेक संदेह पैदा होने से नही चूक रहे है, इस प्रकार से जल रोकने के लिए कराये गये निर्माण निर्माण कार्यों की निष्ठा के साथ जांच कराई जावे तो अनेक प्रकार से चौकाने वाले सच्चाई उजागर होने से नही बच पायेगी?

समय पर राशि का भुगतान न होने के चलते दम तोड़ते हुये नजर आने लगे सांझा चूल्हा, उधारी से काम चल रहे समूह बन रहे कर्जदार

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

जिस प्रकार से शासकीय स्कूलों में पढ़ाई करने वाले बच्चों सहित आंगनबाड़ी के छात्रों को पोषण युक्त अहार प्रदान करने हेतु साझा चूल्हा पोषण आहार कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी। मगर अब वह अब दम तोड़ते हुये नजर आने आने से नही चूक रही है...? बताया जाता है कि शासन की इस योजना से बच्चों को लाभ तो मिल रहा है वही दूसरी ओर इनके संचालन की जिम्मेदारी समूहों के हाथों में होने के चलते अनेक लोगों को रोजगार भी प्राप्त हो रहा है। मगर इसके सही संचालन को लेकर अधिकारियों की अनदेखी कही जावे या फिर सरकार की बेरूखी का परिणाम जिसके चलते यह सांझा चूल्हा दम तोड़ते हुये नजर आने से नही चूक पा रहे है। बताया जाता है कि इस योजना के तहत शासकीय स्कूलों में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं के आलवा आंगनबाडी केन्द्रो के बच्चों को पोष्टिक आहार दिया जाता है जिसमें निर्धारित दिवस पर अलग अलग प्रकार का भोजन देने की व्यवस्था समूहो के हाथों में होती है। मगर कहा जाता है कि इन समूहों को यदि समय पर राशि नही मिलेगी तो फिर यह गरीब बच्चों को भोजन कैसे उपलब्ध करा पायेगे? इस बात की सच्चाई इस समय क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने मिल रही है जहां पर समय पर राशि उपलब्ध नही होने के कारण भोजन प्रदान करने वाले समूहों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करते हुये कर्जदार बनते हुये देखा जा रहा है। इस संबंध में जब कुछ समूहों के संचालको से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि हमे अनेकों बार समय पर राशि का भुगतान नही है और दूसरी ओर लगातार बढ़ रही महंगाई के दौर में आज भी दस वर्ष पहले की दर पर भुगतान किया जाता है। इस स्थिति में हम लोग बच्चों को किस तरह भोजन प्रदान कर रहे हे इस बात की सच्चाई न तो सरकार में बैठे हुये जिम्मेदार जनप्रतिनिधि ध्यान दे रहे है और न ही संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया है। समय पर राशि नही मिलने के कारण हम लोगों को किराना सहित अन्य जरूरी सामग्री दुकानों से उधार लेकर बच्चों को किसी तरह भोजन तो उपलब्ध करा देते है। मगर राशि के आभाव में जब दुकानदार बार बार उधारी मांगते है तो हम लोगों के लिये परेशानी का कारण बन जाता है। हम शासन प्रशासन से मांग करते है कि इस समय महंगाई का जो दौर चल रहा है उस आधार पर हम समूह बालों को राशि स्वीकृत करते हुये समय पर प्रदान की जावे जिससे हम बच्चों को निर्धारित माप दंडों के आधार पर भोजन उपलब्ध करा सके। हम लोगों को काफी उम्मीद थी कि शायद सरकार द्वारा हम लोगों को दस साल पुराने रेट पर प्रदान की जा रही राशि में कुछ इजाफा करने की घोषणा की जावेगी मगर इस ओर ध्यान नही नही दिया गया जिससे हम लोगों के दिलों के अरमान दिलों में ही समा कर रह गये...? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि दस साल पुराने रेट पर हम बच्चों को पोष्टिक आहार कैसे उपलब्ध कराये वह भी समय पर नही मिलने के कारण हम लोग उल्टे कर्जदार और बनते चले जा रहे है।

सड़कों पर महिनों तक पड़ी रहने वाले भवन निर्माण सामग्री दुर्घटनाओं को दे रही आमंत्रण

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से लोग नगर की सड़कों सहित सार्वजनिक स्थलों को अपने निजी स्वार्थो के लिए उपयोग कर रहे है उसके चलते यह जान पड़ने लगा है कि शायद अब इस नगर का भगवान ही मालिक है? क्योंकि मुख्य सड़कों पर तहां तहां पड़ी निर्माण सामग्री अथवा समारोहों को टेन्ट आदि भी आवागमन को अवरूद्ध करते हुए देखे जा रहे है, वही संकीर्ण चौड़ाई वाले क्षेत्रों में या तो फुट पाथी दुकानदार बैठकर संकीर्णता पैदा करते हैं अथवा सड़कों पर डली निर्माण सामग्री या गंदगी भी ऐसा अवरोध पैदा करती हैं, सड़कों का इस तरह का उपयोग नई बात नहीं है, हालांकि ऐसा करना वैधानिक भी नहीं है? परंतु कार्यवाही के अभाव में ऐसा किया जाना वैधानिक जैसा लगने लगा है और करने वाला अपना अधिकार समझने लगा है, जिसका परिणाम है कि नगर में सड़कों पर यत्र चत्र निर्माण सामग्री भरी पड़ी रहती है, यह निर्माण सामग्री निजी मकानों की भी है या नगर पालिका के द्वारा ही फैलाये जाते हैं, निर्माणाधीन सड़क का आधा भाग ऐसी सामग्री के चलते अवरूद्ध रहता है। वहीं शेष आधी सड़क से आने जाने वालों का मुश्किलों के साथ यातायात हो पाता है जो कष्टदायक व परेशानी भरा होता है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो कुछेक सड़क किनारे बने मकानों के बाशिंदे भी सड़क को आंगन के रूप में इस्तेमाल करने से नहीं चूकते,उनके भवन या अन्य कार्यों की सामग्री महिनों सड़कों पर पड़ी यातायात को अवरूद्ध करती रहती है वही अक्सर देखा जाता है कि लोगों द्वारा निजी स्वार्थ के चलते अपने भवनों के निर्माण हेतु लाई गइ्र रेत भी सड़को पर डाल दी जाती है और यह रेत फैलती रहती है। इस रेत से वाहन स्लिप भी होते हैं पर डालने वालों की किसी को परवाह कभी नहीं होती, सड़कों के किनारे अक्सर निकासी नालियों का कचरा भी इकट्ठा कर दिया जाता है, यह कचरा न केवल बदवू पैदा करता है वरन आवागमन भी अवरूद्ध करता है, मुख्य मार्ग वैसे भी संकीर्ण नजर आने लगे हैं, उन पर इन मार्गों के इस तरह के उपयोग से मार्गों की संकीर्णता और बढ़ जाती है नगरपालिका के पास यह अधिकार है कि वह सडकों पर डले ऐसे सामानों को जब्त कर ले पर वह अपने अधिकारों के उपयोग को करने में कंजूसी करती है,उपेक्षा है कि कल से कम व्यस्त और मुख्य सड़क मार्गों के ऐसे अवरोधों को दूर करने के प्रयास किये जायें ताकि आवागमन अवरूद्ध न हो।

नियम विरूद्व तरीके से हो रही बबूल लकड़ी का अवैध परिवहन, वन विभाग की भूमिका बनी संदिग्ध?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से क्षेत्र की जंगलों को लकड़ी माफियों द्वारा रातो रात सफाया किया जा रहा है जिसको लेकर स्थानीय वन विभाग की कार्य प्रणाली चर्चाओं में बनी हुई है..? वही दूसरी ओर क्षेत्र में जहां तहां बबूल के पेड़ो की कटाई होने के साथ उनका अवैध रूप से दूसरे प्रांतों में परिवहन होना वन विभाग के अधिकारियों पर मिली भगत का संदेह पैदा करते हुए जान पड़ रहा है? जबकि शासन द्वारा बीते हुये वर्ष लगभग 53 प्रकार के वृक्षों की कटाई पर प्रतिबंध लगाते हुये उनके परिवहन पर भी प्रतिबंध लगाया गया है जिसमें बबूल भी शामिल होने की बात कही जाने के उपरांत भी देखा जा रहा हे कि धडल्ले से बबूल के पेडों को काटने के साथ साथ उनकी लकड़ी का परिवहन होना अनेक प्रकार के संदेहों को जन्म दे रहा है..? मगर क्षेत्र में देखा जा रहा है कि क्षेत्रवासियों की मिली भगत के चलते कुछ दूसरे प्रांतो से आये हुए लोगों द्वारा म.प्र. से बबूल सहित अनेक प्रकार के पेड़ो की लकड़ी को ओने पोने दामों में खरीदकर अपने प्रांतों में ले जायी जा रही है। इस संबंध में बताया जाता है कि क्षेत्र में बाहर से आये हुए बबूल माफियों द्वारा यहां से बबूल की लकड़ी खरीदकर अपने प्रांत को अवैधानिक रूप से खुलेआम परिवहन करते हुए देखे जाने के बाद भी बन विभाग द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही न करना निश्चित तौर से वन अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर प्रश्न वाचक चिन्ह लगाने से नही चूक रहा है? वही दूसरी ओर इस प्रकार से धडल्ले से चल रहे लकड़ी के अवैध परिवहन को लेकर वन विभाग के अधिकारियों की मिली भगत का संदेह पैदा होने से भी नही चूक पा रहा है? इस प्रकार क्षेत्र के गांवों से बबूल के पेड कटने के साथ उनका परिवहन होने का परिणाम इस प्रकार से देखने मिल रहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खड़े हुए बबूल के जंगल जहां आज साफ होने के बाद सिर्फ उनके ठूट ही ठूट नजर आ रहे है?

बगैर परमिट दौड़ रहे अनेक कंपनियों में किराये से लगे हुये चार पाहिया वाहन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। आबादी के बढ़तो दबाव के चलते पूरे जिले मे सड़कों पर दौडने वाले चार पहिया सवारी बाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। इन वाहनों पर नियंत्रण के लिए नियम कायदे बने है,जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है मगर विभागीय सुस्ती के कारण सड़कों पर बगैर परमिट के अनेक टैक्सी धडल्ले से चल रहे है जिसको लेकर देखा जाता है कि प्रशासन द्वास वाहन चैकिंग के नाम पर कभी कभार कागजी खाना पूर्ति के लिए एक दो वाहनों का चालान कर दिया जाता है बगैर टैक्सी परमिट के दौड़नें वाले वाहनों की संख्या क्षेत्र में हजारों में है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर स्थित अनेक कंपनियों द्वारा अनेक वाहनों को किराया पर ले किया गया है, जिनके किराये से लागने के लिए भी परमिट होना जरूरी होता है। मगर बिना टैक्सी परमिट के वाहन मे सवारियों का परिवहन करना सरासर परिवहन नियमों की अवहेलना हो रही है वही एक तरफ जहां नियमों के परखच्चे उड़ रहे है। वही दूसरी तरफ टैक्स के माध्यम से सरकार को मिलने वाले राजस्व मे भी कमी आ रही है। देखने मे आ रहा है कि अधिकांश जीप, मार्शल, बुलेरो, स्कारपियों या उसे जैसे वाहन निजी कंपनियों में किराय पर सवारी ढोने के काम मे लगे हुए है। इस प्रकार वाहन मालिक टैक्स की राशि बचाकर अपने वाहनों को सवारियों के परिवहन मे लगा देते है

खबर संक्षेप

हनुमान मंदिर की दान पेटी से नगदी व चांदी के मुकुट की चोरी

अनूपपुर। जिले के बिजुरी थाना क्षेत्र में स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में बीती रात अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। यह मंदिर नगर के मुख्य चौराहे पर स्थित है। चोरों ने मंदिर में रखी दान पेटी को तोड़कर उसमें से नगदी चुरा ली। इसके अतिरिक्त, हनुमान जी की मूर्ति पर लगा चांदी का मुकुट भी गायब है। मंदिर समिति और पुजारी ने बताया कि दान पेटी में नकदी मौजूद थी। चोरों ने पास के शिव मंदिर में भी तोड़फोड़ की है। मंदिर के पुजारी जीवन लाल द्विवेदी ने जानकारी दी कि जब वे सुबह पूजा के लिए मंदिर पहुंचे, तो मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ मिला। दान पेटी का ताला भी टूटा था और हनुमान जी का चांदी का मुकुट गायब था। दान पेटी में रखे रुपये भी नहीं थे। बिजुरी थाना प्रभारी विकास सिंह ने बताया कि मंदिर से लगभग 16 हजार रुपये के सामान की चोरी हुई है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

34 केन्द्रों में आज से समर्थन मूल्य पर होगा धान का उपार्जन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देने के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन 1 दिसम्बर से शुरू किया जा रहा है। धान उपार्जन की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती अनीता सोरते ने बताया है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए 34 केन्द्र स्थापित किए गए हैं। जिले में 22 हजार 44 किसानों ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए पंजीयन कराया है। इनका सत्यापन किया जा चुका है। धान उपार्जन के लिए तहसील अनूपपुर में 10, तहसील जैतहरी में 7, तहसील कोतमा में 9, तहसील पुष्पराजगढ़ में 8 खरीदी केन्द्र बनाए गए हैं। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया है कि एफएक्यू धान के लिए 2 हजार 3 सौ 69 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। धान खरीदी के लिए सभी खरीदी केन्द्रों में तौल कांटे एवं बारदाने उपलब्ध करा दिए गए हैं। पंजीकृत किसान अपनी धान बेचने के लिए रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर से अथवा एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर से दिनांक और समय का निर्धारण करके स्लॉट बुक कर सकते हैं। स्लॉट बुकिंग की सुविधा आरंभ हो गई है। धान का उपार्जन करने के लिए खरीदी केन्द्र आते समय किसान असुविधा से बचने के लिए अपने पंजीयन की रसीद, स्लॉट बुकिंग पावती, आधार कार्ड और पंजीकृत मोबाइल अपने साथ रखें।

गीता जयंती पर आज एकलव्य स्कूल में आयोजित होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम

अनूपपुर। सोमवार 1 दिसंबर यानि आज गीता जयंती महोत्सव 2025 के अवसर पर मध्य प्रदेश शासन एवं विश्व गीता प्रतिष्ठानम का संयुक्त आयोजन प्रदेश भर में आयोजित किया गया है। इसी परिपेक्ष में जिला प्रशासन अनूपपुर द्वारा जिला स्तरीय कार्यक्रम शासकीय एकलव्य आवासीय विद्यालय अनूपपुर में आयोजित किया गया है।

स्वच्छ पर्यावरण—स्वच्छ नर्मदाः संकल्प के साथ मैया अभियान ने किया घाटों का व्यापक सफाई अभियान

डिंडौरी। मैया अभियान द्वारा विगत तीन वर्षों से निरंतर चल रहे नर्मदा स्वच्छता अभियान के तहत रविवार प्रातः 7 बजे पुल के समीप स्थित घाटों में सफाई कार्य किया गया। डिंडोरी नगर में सर्वाधिक प्रदूषण इन्हीं घाटों पर पाया जाता है, इसलिए अभियान की टीम ने विशेष रूप से इस क्षेत्र की गहन सफाई की।सेवादारों ने घाटों पर फैली काँच की बोतलें, प्लास्टिक पन्नियाँ, दूषित कपड़े व अन्य कचरे को उठाकर अलग किया तथा पूरे घाट परिसर में झाड़ू लगाकर सफाई की। लगभग एक ट्राली प्रदूषित सामग्री घाटों से हटाई गई।

अभियान से जुड़े सेवादार शाहिद खान ने बताया कि टीम प्रत्येक सप्ताह घाटों की सफाई करती है, फिर भी जन-जागरूकता की कमी के कारण लोग बार-बार गंदगी फैलाते हैं, जो चिंता का विषय है। उन्होंने नगरवासियों एवं विद्यार्थियों से अपील की कि सप्ताह में कम से कम एक दिन नर्मदा घाटों की स्वच्छता सेवा में योगदान दें तथा गंदगी फैलाने वालों को विनम्रता से समझाएँ।अभियान सदस्यों ने पुलिस विभाग से आग्रह किया कि रात्रि में घाटों पर मदिरापान करने वालों पर जुर्माना लगाकर कार्रवाई की जाए। साथ ही अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए टीम अब स्कूलों व कॉलेजों में जाकर विद्यार्थियों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करेगी।

रविवार के इस स्वच्छता कार्यक्रम में जिला आयुष अधिकारी डॉ. संतोष परस्ते, नेहरू युवा केन्द्र के आर.पी. कुशवाहा, शिक्षक जितेन्द्र दीक्षित, प्राचार्य शाहिद खान, मनोज चौकसे, रक्त देवदूत भागवत यादव, योगेन्द्र गुप्ता, पटवारी आस्था बौद्ध, संतोष परमार, महेंद्र उचेहरा, बी.एड. विद्यार्थी निशा साहू, अर्चना साहू, साक्षी साहू एवं यथार्थ यादव ने माँ नर्मदा की सेवा में सहभागिता दर्ज की।

ग्रामीण क्षेत्रों की आँखों में रोशनी भर रही झारिया सेवा समिति हर माह लगता है निःशुल्क नेत्र शिविर, 400 से अधिक मरीजों को मिल चुका लाभ

शहपुरा - ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के बीच झारिया सेवा समिति शहपुरा नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में उम्मीद की किरण बनकर उभर रही है। समिति द्वारा हर महीने की 2 तारीख को आयोजित किए जा रहे निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविरों में अब तक 400 से अधिक जरूरतमंद मरीजों की जांच की जा चुकी है। प्रतिष्ठित सद्गुरु सेवा नेत्र चिकित्सालय, जानकीकुंड, चित्रकूट के विशेषज्ञ डॉक्टरों के सहयोग से चल रहा यह अभियान ग्रामीण मरीजों के लिए किसी बड़ी राहत से कम नहीं है।

शिविरों में मोतियाबिंद, ग्लूकोमा, चश्मे का नंबर निकालने सहित सभी प्रकार की नेत्र जांचें पूरी तरह मुफ्त की जाती हैं। जांच के बाद ऑपरेशन की आवश्यकता वाले मरीजों को समिति द्वारा निःशुल्क ऑपरेशन हेतु चित्रकूट भेजा जाता है, जिसमें परिवहन व पंजीयन की जिम्मेदारी भी संस्था ही उठाती है। ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में समिति की यह पहल जिले में सामाजिक सेवा का प्रेरक मॉडल बनती जा रही है। इसी क्रम में आगामी 2 दिसम्बर 2025 को शिविर में निःशुल्क चश्मा वितरण भी किया जाएगा।

जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने जिला मुख्यालय में जैविक हाट बाजार की शुरुआत नगरवासियों को मिलेंगी ताज़ा सब्जियाँ, छोटे किसानों को मिलेगा स्थायी बाजार

डिंडौरी। जिला प्रशासन द्वारा मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन और कृषि विभाग के संयुक्त सहयोग से रविवार को उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में *जैविक हाट बाजार* का शुभारंभ किया गया। अब प्रत्येक रविवार को नगरवासियों को जैविक सब्जियाँ, शहद, मिलेट्स, स्वदेशी उत्पाद और अन्य स्थानीय सामग्री एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी।उद्घाटन के अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रुदेश परस्ते अपनी पत्नी के साथ पहुँचे और उत्पादकों से सीधे संवाद किया। उन्होंने कहा कि यह पहल छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी, क्योंकि पहले उन्हें अपने उत्पादों के लिए उचित बाजार उपलब्ध नहीं हो पाता था। उन्होंने यह भी बताया कि सामान्यतः रविवार के दिन बाहर जिलों से रासायनिक खाद से उगाई गई सब्जियाँ आती थीं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती हैं। वहीं अब स्थानीय किसानों द्वारा जैविक पद्धति से उगाई गई ताज़ी सब्जियाँ नगरवासियों को उपलब्ध होंगी।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि जैविक हाट बाजार का उद्देश्य छोटे किसानों, स्व-

सहायता समूहों की महिलाओं और स्थानीय कारीगरों को नियमित एवं स्थायी बाजार प्रदान करना है, जिससे जिले में निर्मित उत्पाद जिले के लोगों तक पहुँच सकें और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले।कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष श्रीमती आशा धुर्वे, जिला पंचायत सदस्य हीरा परस्ते, जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी, कृषि उपसंचालक सुश्री अभिलाषा चौरसिया, नगर परिषद सीएमओ अमित तिवारी, श्रीमती अर्पणा पांडे, जेटडू सिंह पट्टा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जन अभियान परिषद टीम द्वारा स्टाफ डैम गेट बंद कर जल बचाने की पहल

अमरपुर। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (एमएसडब्ल्यू/बीएसडब्ल्यू) अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय में कक्षाओं के संचालन किया गया। कक्षाओं के संचालन के उपरांत कॉलेज के नजदीक बाराती नाला स्टाफ डैम के दो गेट जन अभियान परिषद के जल संचय अभियान के अंतर्गत लगभग 25 बोरियों से माटी भरकर कर जल रोका गया। उक्त श्रमदान के पश्चात विकासखंड समन्वयक जन अभियान परिषद अमर लाल धुर्वे एवं ग्राम विकास समिति अध्यक्ष गुलाब सिंह ठाकुर द्वारा जल के महत्व को बताते हुए पांच तत्व में जल अति आवश्यक हैं। जल हैं तो कल हैं जल से जीवन हैं। इसलिए एक-एक बूंद रोकना हैं उक्त उद्गार देते हुए उपस्थित छात्र-छात्राओं को अपने-अपने आवंटित ग्रामों के छोटे-छोटे नदी नालों के जल स्त्रोतों को बांधकर जल रोकने हेतु कहा गया। जिससे ग्राम वासियों के निस्तार मवेशियों एवं सिंचाई का उपयोग

तथा जल का स्तर बढ़ सके। अंत में समस्त प्रतिभागियों को नवांकुर संस्था बाल विकास विद्या मंदिर द्वारा प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम संपन्न किया गया। उक्त कार्यक्रम में परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था बाल विकास विद्या मंदिर से अरविंद यादव, उत्थान सेवा संस्थान से गणेश केर्वथ, पत्रकार बलराम राजपूत, साहब लाल पुषाम एवं मैटर्स राधेश्याम वनवासी, नीतू मरकाम, लाल सिंह ठाकुर, मनोज कुमार तंतुवाय उपस्थित थे। वहीं पर छात्र-छात्राओं में चांदनी साहू, हर्षिता मरावी, यशवंती, हितेश कुमार यादव, महेश्वरी, प्रियंका, सुशील यादव, सतीश कुमार, प्रशांत कुमार, पूनम गोस्वामी, काजल गुप्ता, शिवानी, आशुतोष ठाकुर, ओम प्रकाश यादव, राम कुमार यादव, दिगंबर, राज कुमार यादव, यशवंती, चांदनी यादव एवं मोहल्लावासी उपस्थित रहे।

ठक्कर बापा की 156वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई, बोंदर हायर सेकेंडरी स्कूल में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम, कलेक्टर और एसपी ने किया अवलोकन

डिंडौरी। मध्यप्रदेश वनवासी सेवा मंडल के संस्थापक ठक्कर बापा की 156वीं जयंती ग्राम पंचायत बोंदर स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल में उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। समारोह में पहुँचने पर कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया और पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया।

विद्यालय एवं छात्रावास का निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने विद्यालय का निरीक्षण कर शैक्षिक एवं व्यवस्थागत जानकारी ली। इस दौरान बनवासी सेवा मंडल के अध्यक्ष अशोक अवधिया, सचिव श्री हीरालाल बड़गैया, कैलाशचंद जैन, एच.एन. प्रजापति, हरिओम चौकसे, जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते, श्रीमती फूलकली मरावी, जिला अध्यक्ष श्री चमरू सिंह नेताम,

महेश धूमकेती, सरपंच श्री अजय मरकाम, एसडीओपी सतीश द्विवेदी तथा थाना प्रभारी गाडासरई गिरवर सिंह उपस्थित रहे। कलेक्टर ने छात्रावास का भी निरीक्षण कर बच्चों की सुविधाओं की जानकारी ली।

जयंती पर विशाल मेला, अधिकारीयों ने लिया जायजा

ठक्कर बापा जयंती के अवसर पर आयोजित विशाल मेले का कलेक्टर और

पुलिस अधीक्षक ने भ्रमण कर अवलोकन किया। उन्होंने दुकानदारों एवं व्यापारियों से चर्चा कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की और मेले की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए सरपंच, सचिव तथा स्थानीय समिति को दिशा-निर्देश दिए।स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, कलेक्टर के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों की टीम सहित एक स्वास्थ्य प्रदर्शनी एवं सहायता केंद्र स्थापित किया गया है, जिससे मेले के दौरान किसी भी व्यक्ति की तबीयत बिगड़ने पर तत्काल उपचार उपलब्ध हो सके।

सुरक्षा व्यवस्था के लिए विशेष निर्देश

कलेक्टर ने मेला स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने हेतु एसडीएम बजाग, बोंदर सरपंच और थाना प्रभारी गाडासरई को निर्देश दिए, ताकि मेले में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।समारोह के अंत में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने आमजन से शांति एवं सौहार्द के वातावरण में मेले का आनंद लेने तथा स्थानीय व्यंजनों, झूलों, मिठाइयों और वस्तुओं का भरपूर लुत्फ उठाने की अपील की।

किसानों को मिल रहा प्रदर्शन गेहूं बीज का लाभ

अमरपुर। प्रदेश सरकार की मंशानुसार कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने अग्रसर बोरलाग इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशिया मानेगांव जबलपुर द्वारा कृषकों का पंजीयन कर बगैर पराली जलाए बगैर जुताई सीधे नारी के माध्यम से गेहूं की उराई कर पानी की सिंचाई कर अधिक उत्पादन किया जा सकता हैं। जिससे किसानों को जुताई एवं बीज की धनराशि का बचत हो रही हैं। इस प्रदर्शन में किसानों के एक एकड़ जमीन में किया जा रहा हैं। जिसमें ट्रैक्टर से उराई के लिए 1200 रूपए एवं 40 किलो गेहूं बीज के लिए 50 रूपए प्रति बोरी परिवहन व्यय किसानों का अंश दान देय होता हैं। जिसमें कृषि विभाग द्वारा कंपनी एवं किसानों के बीच समन्वय बनाया गया हैं। और साथ ही सामने बीज बोनी का कार्य कराया जा रहा हैं। इससे किसानों में उत्सुकता देखा जा रहा हैं।

सीएम राइज स्कूल (सांदीपनि विद्यालय) शहपुरा में करियर गाइडेंस शिविर का आयोजन छात्राओं को बैंकिंग, अकाउंटिंग, सीए परीक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों की मिली जानकारी

डिंडौरी ।

शिक्षा परिसर शुक्रवार वार की सुबह जैसे किसी नई ऊर्जा से भरा हुआ था। सीएम राइज स्कूल (सांदीपनि विद्यालय) शहपुरा में करियर गाइडेंस शिविर का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य हायर सेकंडरी में अध्ययनरत छात्राओं को भविष्य की विविध संभावनाओं से परिचित कराना था। कार्यक्रम में छात्राओं की उपस्थिति उत्साह और जिज्ञासा से भरी दिखाई दी, मानो हर मन यह जानने को तैयार था कि पढ़ाई के बाद दुनिया के कौन-कौन से दरवाज़े खुल सकते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता चार्टर्ड अकाउंटेंट आदित्य पारवानी थे, जिन्होंने वित्तीय जगत के बहुआयामी पक्षों को छात्राओं के सामने सरल भाषा में रखा। उन्होंने बैंकिंग क्षेत्र के वर्तमान स्वरूप, उसकी परीक्षाओं, भर्ती प्रक्रिया, आवश्यक कौशल और उसमें उपलब्ध कैरियर सीढ़ियों के बारे में विस्तार से बताया। इसके साथ ही उन्होंने अकाउंटिंग क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं, डिजिटल फाइनेंस, जीएसटी और कॉरपोरेट अकाउंटिंग जैसे विषयों पर भी प्रकाश डाला। सीए पारवानी ने छात्राओं को सीए परीक्षा की संरचना, तीनों स्तरोंकृफाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनलकृके कठिनाई स्तर, तैयारी की रणनीति, समय प्रबंधन और अनुशासन के महत्व के बारे में भी विस्तारपूर्वक समझाया। छात्राओं ने उनसे कई प्रश्न पूछेकृकुछ बैंकिंग के वेतनमान पर, कुछ सीए की पढ़ाई के दौरान आने वाली चुनौतियों पर, और कुछ इस बात पर कि विज्ञान या कला विषय से आने वाले छात्र इनमें कैसे प्रवेश पा सकते हैं। पारवानी ने प्रत्येक प्रश्न का धैर्य और स्पष्टता से उत्तर दिया।

विद्यालय के प्राचार्य यशवंत कुमार साहू, जनशिक्षक अश्वनी कुमार साहू और शिक्षक श्याम झारिया भी कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मार्गदर्शन शिविर छात्राओं के लिए दिशादृनिर्देशक दीपक की तरह काम करते हैं, क्योंकि ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में कई बार प्रतिभा तो प्रचुर मात्रा में होती है, परंतु जानकारी के अभाव में उसका पूरा उपयोग नहीं हो पाता। कार्यक्रम के दौरान कई छात्राओं ने अपने अनुभव साझा किए और कहा कि उन्हें पहली बार यह समझ आया कि बैंकिंग, अकाउंटिंग और चार्टर्ड अकाउंटेंसी जैसे क्षेत्रों में किस प्रकार अवसर मौजूद हैं। शिविर का वातावरण अंत तक सीखने, प्रश्न पूछने और भविष्य को बेहतर ढंग से समझने की भावना से भरा रहा।

शिविर के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सीए आदित्य पारवानी का आभार व्यक्त किया और आशा जताई कि आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित होते रहेंगे, ताकि छात्राएँ समय रहते सही जानकारी और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें।

बजाग में लोक कल्याणकारी शिविर का हुआ आयोजन, 812 हितग्राहियों को मिला विभिन्न योजनाओं का मिला लाभ

डिंडौरी

आकांक्षी विकासखंड बजाग में शनिवार को लोक कल्याणकारी शिविर सह रोजगार मेले का आयोजन किया गया। बैगाचक क्षेत्र में ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएँ, रोजगार अवसर और विभागीय योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी लगाई गई। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्री ओमकार मरकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते, जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, जनपद अध्यक्ष श्रीमती फूलकली मरावी, श्रीमती हीरा रूद्रेश परस्ते, जनपद उपाध्यक्ष राधेश्याम कुशराम, जनपद सदस्य लोकेश पटेरिया, सुधीर दत्त तिवारी, नरेन्द्र पटेरिया जिला प्रशासन से कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहिनी सिंह, सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम बजाग श्री रामबाबू देवांगन एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में भारत माता के तैलीय चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

शिविर में कुल 827 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 812 हितग्राहियों को मौके पर ही लाभ प्रदान किया गया तथा 15 हितग्राहियों को निर्धारित समय-सीमा में लाभान्वित किया जाएगा। साथ ही सांकेतिक लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने बताया कि डिण्डौरी जिला एक जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र है जहां पर शासन की योजनाओं का बेहतर से बेहतर आम जनता को पहुंचाने के लिए प्रत्येक शनिवार को जनपद स्तर पर लोक कल्याणकारी शिविर एवं स्वरोजगार मेला आयोजित किए जाएंगे ताकि ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ उनके द्वार पर ही उपलब्ध कराया जा सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार विभागवार आवेदनों में सामाजिक न्याय विभाग के 8, श्रम विभाग के 2, स्वच्छ भारत के 2, पंचायत विभाग के 6, खाद्यान्न विभाग के 2, एसआईएस अनुपपुर के 5, महिला एवं बाल विकास विभाग के 106, उद्यानिकी विभाग के 4, ग्रामीण आजीविका मिशन आईटीआई के 9, पशु चिकित्सा विभाग के 18, जनजातीय कार्य विभाग के 24 एवं स्वास्थ्य विभाग के स्वास्थ्य परीक्षण 19, टीबी जांच 17, बीपी 101, एचबी एनीमिया 123, सिकिल सेल 32, सुगर 110, एक्सरे 91, नेत्र जांच 68, परामर्श सेवाऐं 57 बाल स्वास्थ्य 23 सहित 641 आवेदन कुल 827 आवेदन प्राप्त हुए हैं। शिविर में जनसभा को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रूद्रेश परस्ते ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी स्वयं गांव में पहुँचकर ग्रामीणों की समस्याएँ सुन रहे हैं और योजनाओं का लाभ प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने अधिक से अधिक ग्रामीणों से शिविर का लाभ लेने की अपील की।

विधायक ओमकार मरकाम ने कहा कि जिला प्रशासन के सहयोग से क्षेत्र का विकास तेजी से आगे बढ़ेगा, इसलिए सभी को योजनाओं का अधिकतम उपयोग करना चाहिए। हम सब मिलकर सहयोग करें तभी जिला, प्रदेश एवं देश का विकास संभव होगा। कार्यक्रम में किसान ओमप्रकाश राय को सुपर सीडर हेतु 1 लाख 20 हजार रुपये की अनुदान राशि का चेक प्रदान किया गया।

रयपुरा मतदान केंद्र में सुना गया प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम

डिंडोरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 128वें संस्करण का प्रसारण रविवार को मंडल अध्यक्ष आशीष वैश्य के निर्देशानुसार मंडल डिंडोरी के रयपुरा माल स्थित मतदान केंद्र क्रमांक 36 पर सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता वीरेन्द्र बिहारी शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पेंशन दिवस आयोजन को लेकर जिले में बैठक संपन्न

डिंडौरी

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन, जिला शाखा डिंडौरी की मासिक बैठक वरिष्ठ पेंशनर श्रीमती भगवती पाठक की अध्यक्षता में तथा संगठन के जिला सलाहकार, सेवानिवृत्त तहसीलदार राय सिंह कुशराम के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी पेंशन दिवस के सफल आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए।

निर्धारित कार्यक्रमानुसार 17 दिसंबर को पेंशन दिवस का आयोजन मां कालिका दरबार किकरझर घाट, समनापुर रोड में पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक किया जाएगा। इस कार्यक्रम में जिले की सभी तहसील एवं ब्लॉक शाखाओं को आमंत्रित किया गया है। बैठक में यह भी तय हुआ कि प्रत्येक शाखा 3 दिसंबर तक अपने-अपने साथ आने वाले सदस्यों की संख्या की सूचना उपलब्ध कराएँ, ताकि 4 दिसंबर को समनापुर में होने वाली आयोजक बैठक में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके कार्यक्रम में गीत व कविता वाचन भी रखा गया है, जिसके लिए विशेष रूप से पेंशनर बहनों को तैयारी के साथ आने का आग्रह किया गया है। जिला मुख्यालय से महिला प्रकोष्ठ सहित लगभग तीस सदस्यों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई है, जिनके लिए एक बड़ी गाड़ी तथा बहनों हेतु दो अलग गाड़ियों की व्यवस्था की जाएगी। शाहपुर से तहसील अध्यक्ष सुरेन्द्र महदेल अपने साथियों सहित निजी साधन से पहुँचेंगे।बैठक में प्रीतम शुक्ला, राज नारायण दीक्षित, रामगोपाल तिवारी, श्रीमती उदयवती धुर्वे तेकाम, श्रीमती ऊषा मरावी, श्रीमती नीता चनपुरिया, श्रीमती कीर्ति कछवाहा, श्यामलाल साहू, सुरेन्द्र महदेल, प्रकाश चन्द्र चौरसिया, प्रेमलाल झरिया, संदीप चौरसिया, राजेन्द्र ठाकुर तथा श्री विलथरे सहित अनेक पेंशनर्स की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

खबर संक्षेप

डॉ. कुसमरिया ने शहीद आशीष शर्मा को दी श्रद्धांजली

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग और पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष, डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने नरसिंहपुर जिले के ग्राम बोहानी में शहीद हॉक फोर्स इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को श्रद्धांजलि दी। नक्सली मुठभेड़ में शहीद हुए आशीष शर्मा की शहादत पर डॉ. कुसमरिया ने कहा कि इंस्पेक्टर आशीष शर्मा ने नक्सल विरोधी अभियान में अदम्य साहस दिखाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। प्रदेश को उनकी शहादत पर गर्व है। शहीद आशीष शर्मा के परिजनों को ढांढस बंधाते हुए डॉ. कुसमरिया ने कहा, आपके बेटे की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। प्रदेश और देश उनकी बहादुरी को हमेशा याद रखेगा।

मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंची शिकायत, कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला मुख्यालय के समीपी ग्राम वांसकुवारी निवासी दिव्यांग रीतेश नेमा द्वारा मुख्यमंत्री के नाम कार्यालय मे शिकायत देकर कार्रवाई की मांग रखी। शिकायत मे बताया गया है कि संतोष विश्वकर्मा निवासी ग्राम बांसकुंवारी छिंदवाड़ा बायपास रोड पर रहवासी क्षेत्र में ट्रेक्टर-ट्राली का निर्माण कार्य किया जा रहा है निर्माण कार्य में लोहे को कूटने से ध्वनि प्रदूषण होता है जिस कारण से सामाजितक जीवन प्रभावित हो रहा है साथ ही ट्रेक्टर-ट्राली निर्माण कर उन्हे रंग रोगन कर विक्रय के लिए तैयार किया जाता है जिसमे केमिकल स्प्रे से वायु प्रदूषण होता है जिसके कारण आसपास के निवासियों को काफी परेशानी उत्पन हो रही है। वही दबंग द्वारा नेशनल हाइवे की भूमि पर कब्जा कर निर्माण कार्य किया जा रहा है। अब देखना होगा की शिकायत के बाद क्या कार्रवाई होती है। वही शिकायत में उल्लेख किया गया है कि स्थानीय प्रशासन से शिकायत करने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नही की गई। जिससे प्रतीत होता है कि स्थानीय प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की मिली भगत के कारण रहवासी क्षेत्र में निर्माण व्यवसाय का कार्य जारी है।

अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती के अवसर पर एक दिसंबर 2025 को जिले में गीता जयंती महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला स्तर पर 1100 और विकासखण्ड स्तर पर 500 गीता पाठियों के द्वारा 15 वें अध्याय का कंठस्थ पाठ किया जाएगा। जिला मुख्यालय के स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर में प्रात 9.50 बजे से कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। साथ ही विकासखंड स्तर पर सांदीपनी विद्यालय साईंखेड़ा, बीटीआई स्कूल गाडरवारा, हनुमान मंदिर परिसर तेंदूखेड़ा, मंगलभवन चीचली और सरस्वती विद्या मंदिर गोटेगांव में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद ने किया पुतला दहन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद,सनातन ब्राह्मण समाज, कर्मकांडी ब्राह्मण युवा बंधुओ एवं सर्व समाज ने मिलकर संतोष वर्मा के द्वारा ब्राह्मण बेटियों पर शर्मनाक टिप्पणी के खिलाफ सुभाष पार्क चैराहे पर नारेबाजी की एवं संतोष वर्मा का पुतला दहन किया। जिला उपाध्यक्ष अरुणा दुबे ने कहा कि पहले के समय में जो वर्ण व्यवस्था दी गई थी वह बुद्धि के हिसाब से ही रखी गई थी, आईएएस लेबल के अधिकारी के द्वारा ऐसी टिप्पणी विकृत मानसिकता को दर्शाती है। नगर अध्यक्ष सुनंदा भट्ट ने कहा कि एक उच्च पद पर बैठे अधिकारी के ऐसे अशोभनीय विचार सामाजिक सौहाद्रता को ठेस पहुंचाते हैं और प्रशासनिक गरिमा पर भी प्रश्न उठाते हैं यदि प्रशासन द्वारा संतोष वर्मा पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई तो यह विरोध रुकेगा नहीं। जिला सचिव ज्योति तिवारी ने कहा कि ब्राह्मण समाज का अस्तित्व ही समाप्त कर देने में लगे हुए हैं दूसरे समाज वाले ब्राह्मण समाज इस निकृष्टता को बर्दाश्त नहीं करेगा। उक्त मौके पर मोनिका तिवारी, भारती रघुवंशी, श्रीमती नामदेव, श्रीमती महोबिया एवं बहुत संख्या में विप्र बंधुओं की उपस्थिति रही।

जिला मुख्यालय पर मांस विक्रेता उड़ा नियमों की धज्जियां

मंदिरों के पास बिक रहा मांस, पजीयन पर भी संदेह

कागजों पर सिमटती नजर आ रहे आदेश

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर।

सरकार द्वारा प्रदेश में मांस विक्रय के लिए नियम बनाए गए है लेकिन जिले मुख्यालय में मांस विक्रेताओं द्वारा सरकार के नियमों को पालन नहीं किया जा रहा है। सरकार द्वारा बनाए नियम केवल कागजों पर सिमटते नजर आ रहे है। वही प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के कारण मांस विक्रेताओं द्वारा व्यापार फल फूल रहा है। जबकि सरकार द्वारा मांस विक्रय के लिए जो नियम बनाए गए है उनका जरा भी पालन नहीं हो रहा है। जिला प्रशासन की नाक नीचे धड़ल्ले से नियमों धता दिखाकर मांस का विक्रय जारी है। वही मांस विक्रेताओं की दुकान पर आने वाले शराबियों की धमाचैकड़ी भी बखूबी जारी है और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है।

मामला इस प्रकार

जिला मुख्यालय में प्रशासन की नाक के नीचे नियमों को धता दिखाते हुए मांस का विक्रय किया जा रहा है। मांस विक्रेताओं द्वारा अपनी मनमर्जी के अनुरूप दुकानों का संचालन किया जा रहा है। जिला मुख्यालय के मुख्य मार्ग कलेक्टर कार्यालय की ओर जाने वाले रास्ते में कई मांस विक्रेताओं द्वारा दुकान लगाकर मांस का विक्रय किया जा रहा है। स्थानीय टॉकीज के सामने मंदिर बना हुआ है और मंदिर ठीक सामने अंडे व मांस की दुकान दूरी महत 50 कदम वही सहकारी बैंक परिसर में मंदिर है और उससे ठीक 50 कदम पर मांस की दुकान लगती है। वही शासकीय रेस्ट हाउस में मंदिर बना हुआ है और ठीक 50 कदम सामने मांस की दुकान है

और दुकान से ठीक दस कदम दूर शासकीय कार्यालय है। वही स्टेशनगंज क्षेत्र में मंदिर के ठीक सामने मांस की दुकान लगाई जाती है। जिला मुख्यालय पर ऐसे अनेकों स्थान है जहां पर मंदिरों से थोड़ी दूरी पर मांस की दुकान है।

ये रही सरकार की नियमावली

प्रदेश सरकार द्वारा 13 दिसंबर 2023 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा आदेश जारी कर प्रदेश में खुले में बिना अनुमति मांस तथा मछली का विक्रय प्रतिबंधित किया जायेगा। नगरीय निकायों में मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम-1956 के प्रावधानों के तहत किसी भी प्रकार के मांस एवं मछली के विक्रय के लिये नगरीय विकास विभाग के अधिनियमों के अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के प्रावधान लागू होते हैं। इस अधिनियम के अंतर्गत मांस एवं मछली के विक्रय के समस्त

प्रतिष्ठानों में अपारदर्शी कांच - दरवाजा एवं साफ-सफाई की सम्पूर्ण व्यवस्था होना अनिवार्य है। इसके साथ ही किसी भी धार्मिक स्थल के मुख्य द्वार के सामने 100 मीटर की दूरी के भीतर उक्त सामग्री का विक्रय या प्रदर्शन प्रतिबंधित है। कलेक्टर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी को अधिनियमों नियमों एवं लायसेंस की शर्तों का पालन कड़ाई से कराने की बात कही गई थी लेकिन धरातल पर उक्त नियमों को पालन नही हो रहा है।

लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य

सरकार द्वारा जारी किए गए आदेश मे स्पष्ट रूप से कहा गया था कि मांस विक्री के नियमों में लाइसेंस प्राप्त कर एफएसएसएआई मानकों का पालन करना और स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण बनाए रखना अनिवार्य है। मांस को सरकारी नियमों के अनुसार संसाधित, लेबल और संग्रहित किया जाना चाहिए, और धार्मिक स्थलों के पास मांस बेचने पर प्रतिबंध है। नियमों में यह भी शामिल है कि मांस को साफ-सफाई वाले प्रतिष्ठानों में और उचित दूरी बनाए रखकर बेचा जाए। मांस बेचने के लिए खुदरा, थोक या बूचड़खाना लाइसेंस लेना होगा। दुकान के स्वामित्व का प्रमाण, लेआउट प्लान आदि शामिल है। मांस को खुले में प्रदर्शित नही किया जा सकता है। मांस काटने के तीन घंटे के भीतर बेचा जाना चाहिए, और लोहे की जगह स्टील के उपकरणों का उपयोग किया जाना चाहिए। भंडारण और परिवहन तथा मांस को ठंडा रखने के लिए इंसुलेटेड फ्रीजर प्रतिबंधित है। मांस की दुकान और धार्मिक स्थलों मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा के बीच कम से कम 100 से 150 मीटर की दूरी रखना अनिवार्य है। मांस बेचने वाले सभी कर्मचारियों को स्वास्थ्य प्रमाण पत्र रखना अनिवार्य है।

इनका कहना है

संविधान नियमों का पालन के साथ मांस विक्रेताओं व आमजनों को दायित्व नियमों का पूर्ण पालन करना नैतिक जिम्मेदारी है। हर परिस्थिति में पालन करते हुए सभी की धार्मिक भावनाओं का भी स्वतः ध्यान रखना चाहिए।

विनीत नेमा, हिन्दूवादी नेता

धार्मिक स्थलों के आसपास मांस विक्रय ना हो सरकार के नियमों का पूरी तरह पालन किया जाए।

गौरव तिवारी, युवा नेता

मांस विक्रय के लिए सरकार द्वारा बनाए गए सभी नियमों पूरी तरह पालन किया जाए, मंदिरों के पास मांस विक्रय उचित नहीं है।

आयुष शर्मा, जागरूक युवा

जादू नही विज्ञान कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में विगत दिवस विज्ञान प्रदर्शनी अंतर्गत विज्ञान के प्रति जागरूकता अभियान जादू नहीं विज्ञान है समझना समझाना आसान है के जिला स्तरीय आयोजन के संबंध में बैठक सम्पन्न हुई। आयोजित बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी नरसिंहपुर प्रतुल्य कुमार इंदुरख्या, प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान एवं जिला विज्ञान अधिकारी नरसिंहपुर राजीव किशोर श्रीवास्तव, ए.डी.पी.सी. समग्र शिक्षा विपनेश जैन, प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर एवं कार्यक्रम के जिला नोडल जी. एस. पटैल, सहायक जिला विज्ञान अधिकारी समीर त्यागी, विकासखण्ड विज्ञान अधिकारी नरसिंहपुर डॉ फिरोज खान, विकासखण्ड विज्ञान अधिकारी करेली तरुण कुमार मालवीय एवं सहायक विज्ञान अधिकारी मनीष कुमार शर्मा, विकासखण्ड विज्ञान अधिकारी गोटेगॉव प्रीतम सिंह पटैल एवं सहायक विज्ञान अधिकारी मनोज जैन, विकासखण्ड विज्ञान अधिकारी चीचली गजेन्द्र सिंह कौरव, सहायक विकासखण्ड विज्ञान अधिकारी चॉवरपाठा श्रीमती संयोगिता शिवहरे, बी.एन. पांडे, व्याख्याता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान नरसिंहपुर, आर. एन. रावत, विज्ञान प्रभारी शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर एवं श्रीमती खुशबु साहू, समग्र शिक्षा नरसिंहपुर ने अपनी उपस्थिति प्रदान की। बैठक में जिला स्तरीय कार्यक्रम के आयोजन हेतु रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा करते हुए आगामी 9 दिसंबर को शासकीय स्वामी विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विकासखण्ड स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में विजेता 5-5 विद्यालयों की टीमों को जिला स्तर कार्यक्रम में निर्धारित समय पर उपस्थिति हेतु निर्देशित किया गया। विकासखण्ड से चयनित टीमों के मार्गदर्शी शिक्षकों को प्रत्येक विकासखण्ड के उत्कृष्ट विद्यालय में सुरक्षा मानकों के संबंध में दिशा निर्देश एवं आवश्यक तैयारी हेतु कार्यशाला आयोजित की गई है, जिसमें उपस्थिति अनिवार्य की गई है। बैठक के अंत में विद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गिवत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में उच्च शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम के तहत आज महाविद्यालय के बर्चुअल कक्ष में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें 120 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम द्वारा विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच की गई। इनमें ब्लड प्रेशर जांच, अनेमिया की जांच, मुख एवं दांतों की जाँच, आई टेस्ट एवं बी. एम आई. प्रमुख रूप से शामिल थे। इसके अतिरिक्त जनरल फिजिशियन द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। इस मौके पर चिकित्सकों ने विद्यार्थियों को जीवनशैली से संबंधित रोगों की रोकथाम, संतुलित

आहार के महत्व तथा नियमित व्यायाम की आवश्यकता के बारे में मार्गदर्शन दिया। महाविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस तरह के कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन को स्वस्थ बनाए रखते हैं बल्कि उन्हें भविष्य के लिए स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी करते हैं। चिकित्सकों ने बताया कि नियमित जांच से न सिर्फ बीमारियों की शुरुआती पहचान संभव होती है, बल्कि समय रहते उपचार भी आरंभ किया जा सकता है। खासतौर पर युवा वर्ग में बदलती जीवनशैली, तनाव, मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अत्यधिक उपयोग और खानपान की गड़बड़ी के कारण कई स्वास्थ्य समस्याएँ तेजी से उभर रही हैं। ऐसे में आई टेस्ट, शुगर और ब्लड प्रेशर जैसी प्राथमिक जांच बेहद आवश्यक है। इस शिविर में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने अपनी जांच कराई और चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। छात्र-छात्राओं ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि कॉलेज स्तर पर ऐसे कार्यक्रम समय-समय पर होते रहना चाहिए। इससे न केवल स्वास्थ्य बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ता है। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर. बी. सिंह के मार्गदर्शन एवं नोडल अधिकारी अर्पित सक्सेना के सहयोग से किया गया।

4 माह से जली डी.पी स्थानीय लोगों ने की बदलने की मांग

गोटेगांव समीपवर्ती करकबेल पुराने बिजली आफिस के सामने बीचोंबीच ग्राम करकबेल के मुख्य मार्ग पर स्थित ट्रांसफार्मर डी पी पिछले चार महीने से जली है स्थानीय लोगों ने बताया कि इसका लोड दूसरे ट्रांसफार्मर पर डाला गया है जिस कारण ओवर लोड पड़ने से बार बार बिजली बंद हो जाती है।जिस कारण से बिजली उपकरण ख़राब हो रहे हैं। वोल्टेज की भी समस्या बनी हुई है। जो कई घंटों की देर बाद सुधार

हो पाती है यह कोई एक दिन की परेशानी नहीं हर रोज और कंई बार लाईन फाल्ट होना कोई नई बात नहीं है । बिजली वितरण केन्द्र करकबेल को बड़े कार्यालय में गिना जाता है परन्तु यहां सालों से बिना जे.ई अधिकारी के काम इसी तरह से चल रहा है, इसका खामियाजा ट्रांसफार्मर ख़राब होने की जानकारी स्टाफ से लेकर अधिकारी को भी पता नहीं चलती जिस कारण से यहां पर बड़ी विकराल समस्या उत्पन्न हो रही है, ट्रांसफार्मर नहीं बदलने से करकबेल ग्राम की जनता विगत कई महीनों परेशानी में हैं ।और बिजली वितरण कंपनी के अधिकारी बेखबर है। स्थानीय ग्राम वासियों ने जिला कलेक्टर और विधुत वितरण कंपनी के अधिकारियों से अपेक्षा है कि टांसफार्मर बदलने के साथ ही साथ करकबेल बिजली वितरण केन्द्र में स्थाई कनिष्ठ अभियंता अधिकारी की नियुक्ति शीघ्र कराई जाए।

नर्मदा तट सांकल घाट में बने सुलभ शौचालय में कब्जा श्रद्धालु हो रहे परेशान

गोटेगांव

समीपवर्ती मां नर्मदा का ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्नान स्थल ग्राम पंचायत सांकल घाट, जहाँ प्रत्येक अमावस्या एवं पूर्णिमा पर दूर-दराज़ से हज़ारों श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए पहुँचते हैं, वहाँ उनकी सुविधाओं पर अब अवैध कब्ज़ों का संकट गहराता जा रहा है। शासन द्वारा आमजन की सुविधा हेतु कार्ड पर निर्मित सुलभ शौचालय अब कुछ निजी व्यक्तियों के कब्ज़े में पहुँच चुके हैं। कब्जाधारियों द्वारा इन शौचालयों का उपयोग निजी आवास अथवा अन्य व्यक्तिगत कार्यों में किए जाने से स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। इस अव्यवस्था के चलते श्रद्धालु एवं स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शौचालय उपलब्ध न होने के कारण कई लोग खुले में शौच जाने को मजबूर हैं, जो न

केवल अस्वच्छता फैलाता है, बल्कि केंद्र एवं राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी स्वच्छता अभियान को भी धक्का पहुँचाता है। स्थानीय नागरिकों ने इस स्थिति पर गहरी नाराज़गी जताते हुए कहा है कि यदि शासकीय शौचालयों को शीघ्र कब्ज़ा मुक्त कर आमजन के लिए पुनः सुलभ नहीं कराया गया, तो हालात और अधिक विकट हो सकते हैं। जनपद पंचायत गोटेगांव सहित संबंधित अधिकारियों से मांग की गई है कि अवैध कब्ज़ों को तत्काल हटाकर शौचालयों की नियमित सफाई एवं समुचित देखरेख की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं और ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित न होना पड़े।

ओवरनाइट एक्सप्रेस स्टॉपेज की लगातार उठ रही मांग, क्षेत्रवासियों में आक्रोश

श्रीधाम वासियों का कहना स्थानीय मंत्री,सांसद,विधायक ध्यान आकर्षित करें गोटेगांव संपूर्ण क्षेत्रीय के नागरिकों द्वारा लगातार जबलपुर इंदौर ओवर नाइट एक्सप्रेस का श्रीधाम रेल्वे स्टेशन पर स्टॉपेज किए जाने की मांग उठाई जा रही है परंतु रेल्वे विभाग द्वारा क्षेत्रीय वासियों की मांग पर तवज्जो नहीं दिए जाने पर समस्त क्षेत्रवासियों नेमंडला संसदीय क्षेत्र के वर्तमान सांसद भारत सरकार के पूर्व केंद्रीयमंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते ने 15 माह पूर्व ओवरनाइट एक्सप्रेस का शीघ्र स्टॉपेज कराए जाने की मांग की थीकि आखिर क्षेत्र वासियों का ओवरनाइट ट्रेन में सफर करने का सपना साकार कब होगा,तब क्षेत्रवासियों की मांग को लेकर तत्कालीन केंद्रीय मंत्री मा.फग्गनसिंह कुलस्तेजी ने क्षेत्रवासियों की मांग को दृष्टिगत रखते हुए रेलमंत्री मा.अश्वनी वैष्णोजी को पत्र लिखकर ओवरनाइट एक्सप्रेस श्रीधाम रेल्वे स्टेशन पर किए जाने का आग्रह किया था,परंतु 15 माह बीत जाने के उपरांत आजदिनांक तक ओवर नाइट स्टॉपेज के संबंध में रेल मंत्रालय द्वारा किसी प्रकार की घोषणा नहीं किए जाने के कारण क्षेत्रवासियों में बढ़ते आक्रोश को देखते हुए तत्कालीन केंद्रीय मंत्री मा.फग्गनसिंह कुलस्ते एवं क्षेत्रीय विधायक महेंद्र नागेश ने

क्षेत्रवासियों की परेशानी को देखते हुए पुनः रेलमंत्री को पत्र लिखकर ओवरनाइट एक्सप्रेस का श्रीधाम स्थापित किए जाने का आग्रह किया है,परंतु रेल मंत्रालय द्वारा किसी प्रकार का कोई जवाब नहीं आने पर क्षेत्रवासियों ने पूर्व केंद्रीय मंत्री वर्तमान सांसद फग्गनसिंह कुलस्तेजी से पुनःइस संबंध में प्रयास कर क्षेत्रवासियों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से निजात दिलाए जाने केलिए सक्रियता से ठोस कदमउठा कर ट्रेन का स्टॉपेज कराए जाने की मांग की है,ताकि क्षेत्रवासियों का विश्वास अपने क्षेत्रीय सांसद महोदय की प्रति बना रहे,इस संबंध में क्षेत्रवासियों का कहना है कि आखिर कब जबलपुर ओवरनाइट एक्सप्रेस स्टॉपेज का लाभ मिलेगा, हम लोग वर्षों से ओवर नाइट एक्सप्रेस की मांग कर रहे हैं,परंतु क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के कारण समस्त क्षेत्रवासी अत्यंत आवश्यक ट्रेन की सुविधा से वंचित है,जबकि अपने सांसद काल में होशंगाबाद पूर्व सांसद सांसद राव उदय प्रतापसिंह द्वारा ओवरनाइट एक्सप्रेस का स्टॉपेज करेली स्टेशन पर करवाया गया है,

पं चंद्रकांत चौबे परशुराम कल्याण बोर्ड के तहसील प्रभारी बने

तेंदूखेड़ा

विगत दिनों म प्र शासन द्वारा मध्यप्रदेश परशुराम कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है जिसका उद्देश्य प्रदेश जिला तहसील और ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले सभी धार्मिक आयोजनों में समन्वय कार्य सामाजिक कार्यक्रमों के साथ शासन प्रशासन के कार्यक्रमों में सहभागिता सुनिश्चित की जाये। बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु राजोरिया द्वारा तेंदूखेड़ा तहसील क्षेत्र का प्रभारी धार्मिक आध्यात्मिक सांस्कृतिक सेवाभावी गतिविधियों में संलग्न रहने वाले एवं भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने वाले सदगुरु विद्यापीठ के संचालक पं चंद्रकांत चौबे तथा सजग युवा कुलदीप शर्मा को नियुक्त किया गया है।इनकी नियुक्ति पर तेंदूखेड़ा क्षेत्र के सभी वर्गों के लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए अपनी अपनी शुभकामनाएं बधाईयां प्रेसित की है। तथा विप्र महासभा ने उनके निवास पर पहुंच कर उनका स्वागत किया।

जनसुविधाओं को लेकर सजग नहीं है एन एच आई

सर्रा बंधी के किसानों को हो रही परेशानी

तेंदूखेड़ा

शासन हमेशा से जनसुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए विकास कार्यों के लिए धन खर्च किया करता है लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग पर तेंदूखेड़ा क्षेत्र में एन एच आई की मनमानी पूर्ण कार्यशैली हमेशा से चर्चाओं में बनीं हुई है।जिसके चलते चाहे एन एच आई पर प्रमुख ग्रामों के निकट बनें ब्रिजों पर रात्रि के समय लाइट जलने का विषय हो या फिर सड़क किनारे बनें बड़े बड़े नालों में से पानी ना निकल पाने का विषय हो। सड़क मार्ग पर लगे ग्रामों के नामों का उल्लेख हो जैसे अनेकों विसंगति पूर्ण गतिविधियों के कारण चर्चाएं होती रहती हैं।इसी बीच हाल ही में एन एच आई ने मवेशियों के साथ साथ अन्य राहगीरों को सीधे सड़क पार होने को दृष्टिगत रखते हुए वहां पर फेंसिंग कर दी गई है जिससे सर्रा और बंधी तरफ जाने वाले लोगों को अब काफी आगे जाकर अपने बाहन मोड़कर लाने पड़ते हैं। हमारे प्रतिनिधि को ग्राम के सरपंच प्रतिनिधि नारायण सिंह लोधी ने बताया कि इस समय गन्ना कटाई का कार्य युद्धस्तर पर

चल रहा है और किसानों को ट्रेक्टर ट्राली के माध्यम से गन्ना लेकर शुगर मिलों और भट्टियों में जाना पड़ता है। बहुत से ग्राम बासी अपने बाइकों के माध्यम से गांव के बाहर जाना पड़ता है। लेकिन फेंसिंग हो जाने के कारण उन्हें काफी दूर मधुवन होटल के आगे तक जाकर अपने बाहन मोड़कर लाने पड़ते हैं।इस विषय को लेकर जवाबदार अधिकारियों को अवगत भी कराया गया है लेकिन इस दिशा में कोई उचित व्यवस्था ना हो पाने के कारण लोगों को परेशानी हो रही है।गांव के लोगों का कहना है कि आवागमन और ट्रेक्टर ट्राली निकालने की दिशा में कोई व्यवस्था बनाई जाये।

झाड़ियों के कारण हो रही परेशानी

जबलपुर भोपाल फोरलेन सड़क पर राजमार्ग से मदनपुर के बीच फोरलेन सड़क के किनारे एवं लिंक रोड के किनारे पेड़ की झाड़ियां सड़क पर लटक रही है। जिससे वाहन चालकों को अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है एवं क्रासिंग के समय वाहन चालक सड़क के किनारे क्रासिंग करते तो झाड़ियां वाहनों में लगती है जिससे आऐ दिन छोटी-छोटी दुर्घटना होती रहती है ।फोरलेन सड़क पर अनेक स्थानों पर सड़क के बीचोंबीच लगी जालियां भी टूटी हुई है ।जिससे मवेशी सड़क दोनों ओर पार करते और वाहन दुर्घटना का शिकार होते हैं। फोरलेन सड़क पर फोरलेन के कर्मचारी और गाड़ी लेकर घूमते रहते हैं जो सड़क पर घूमकर मानिटिरिंग के नाम पर केवल खानापूर्ति करते हुए ही देखे जाते हैं।लेकिन सड़क पर मेंटनेंस का कोई कार्य नहीं करते हैं। तेंदूखेड़ा में भी आधे अधूरे स्थानों पर एप्रोच मार्ग बनाएं गये और जहां बनाएं गये हैं वहां 15 दिनों में ही एप्रोच मार्ग धूल और गड्ढों में परिवर्तित होने लगें हैं ।एन एच अधिकारी और निर्माण एजेंसी मनमाफिक तरीके से कार्य करते रहते हैं एवं मेंटनेंस व्यवस्थाओं पर कोई ध्यान नहीं देते हैं।जिसे लेकर लोगों ने ऐतराज जताया है।